सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 159 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 24 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कांग्रेस नेता की बहू की लाश फंदे पर लटकी मिली, पुलिस हिरासत में बेटा

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में नवविवाहिता की लाश घर पर पंखे से लटकी मिली। मृतका की 2 महीने पहले ही शादी हुई थी। मायका पक्ष को जैसे ही इसकी जानकारी मिली सभी मौके पर पहुंचे। घर से लेकर थाने तक जमकर हंगामा मचाया। मामला घुमका थाना क्षेत्र का है।

परिजनों ने बताया कि दामाद उनकी बेटी से पैसे मांगता था। रुपए नहीं देने पर मारपीट करता था। धमकी देता था कि जो करना है कर लो वह पहले भी जेल जा चुका है। आरोपी पति घुमका के पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश द्विवेदी का बेटा है। हंगामे के बाद पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में रखा है। जानकारी के मुताबिक ग्राम सलोनी की रहने वाली भूमिका दुबे (24) की शादी घुमका के सोनल द्विवेदी (28) से 22 जनवरी 2025 को हुई थी। सोनल द्विवेदी ड्राइवरी का काम करता है।

22 मार्च की शाम करीब 6 बजे भूमिका की लाश उसके ससुराल के एक कमरे में पंखे पर लटकी मिली। ससुराल पक्ष ने बताया कि उनसे घर के ऊपर कमरे में भूमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रात करीब 8 बजे भूमिका के पिता सजीवन दुबे परिजन और गांव के लोगों के साथ घुमका पहुंचे। इसके बाद परिजन ने भूमिका के ससुराल के सामने हंगामा मचाया। परिजन ने बताया कि दामाद शादी के बाद से ही भूमिका को पैसे के लिए प्रताड़ित करता था। वहीं आरोपी पति का कहना है कि भूमिका किसी दूसरे लड़के से बात करती थी। इसलिए दोनों के बीच झगड़ा होता था।

जमीन बंटवारे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्षः टंगिया लाठी और डंडे से एक दूसरे पर हमला

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत अदालत शॉ मिल के मालिकों के बीच संपत्ति बंटवारे को लेकर बीती देर रात जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्ष से टंगिया, डंडा लाठी चली। इसमें 6 लोगों को चोटें आई है, जिसमें तीन को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक अदालत शॉ मिल के मालिक अदालत चौहान के चार बेटे नरेश चौहान, कैलाश चौहान, संजय चौहान और गणेश चौहान हैं। अपने जिंदा रहते अदालत ने चारों बेटों को संयुक्त परिवार में रखा और संपत्ति को बंटने नहीं दिया। जब उनका अंतिम समय आया तो उन्होंने चारों बेटों को बुलाकर कहा कि वो उनकी संपत्ति को आपस में बराबर बराबर हिस्सा में बांट लें।

अदालत चौहान के निधन के बाद चारों बेटों में संपत्ति को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। गणेश चौहान के बेटे घायल जितेंद्र चौहान ने बताया कि उनके बीच ये झगड़ा पिछले 15 सालों से चला आ रहा है। उसके पिता के तीन भाई नरेश, कैलाश और संजय मिलकर उसके पिता को संपत्ति का हिस्सा नहीं देना चाहते हैं। जितेंद्र ने बताया कि गणेश और तीन अन्य भाइयों के बीच इसी को लेकर 15 साल से झगड़ा चला आ रहा है। मामला न्यायालय तक पहुंच गया और गणेश चौहान को हिस्सा देने के लिए न्यायालय ने भी आदेशित कर दिया है, लेकिन उसके चाचा उन्हें हिस्सा नहीं दे रहे हैं। इसे लेकर उनके बीच कई बार झगड़ा और मारपीट हो चुकी है। वहीं दूसरे पक्ष से आशीष चौहान का कहना है कि वो अपने पिता की रजिस्ट्री जमीन पर लकड़ी का व्यवसाय करते हैं। गणेश चौहान उस पर कब्जा जमा रहा है। ये मामला हाईकोर्ट में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

विधायकों से कहा- जनप्रतिनिधि के तौर पर विधायक की जिम्मेदारी संभालना सौभाग्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ विधानसभा में आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में शामिल हुई। इस मौके पर उन्होंने विधानसभा में विधायकों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि एक जन प्रतिनिधि के रूप में विधायक की जिम्मेदारी निभाना बड़े ही सौभाग्य की बात है। विधायक जनता के विश्वास का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने विधानसभा में अपने भाषण की शुरुआत नमस्कार जय जोहार से की। उन्होंने विधानसभा की रजत जयंती वर्ष की सभी को गाड़ा-गाड़ा बधाई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास व इसकी विशेषताओं को जानकर एक बात तय हो गई है कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

इससे पहले एयरफोर्स के विशेष विमान से रायपुर पहुंचीं थी। एयरपोर्ट पर उनके स्वागत में छत्तीसगढ़ी कलाकारों ने नृत्य किया। विधानसभा के 25 साल पूरे होने के मौके पर रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आगमन पर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, रमेश बैस, सरोज पाण्डे, गौरीशंकर अग्रवाल, शिवरतन शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया।

अब तक 565 विधेयक पारित किए गए : डॉ रमन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पीकर रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में टोनही प्रताड़ना, खाद्य सुरक्षा सहित अब तक 565 विधेयक पारित हो चुके हैं। विधानसभा में सदस्यों की संख्या 90 है। इनमें अनुसूचित जनजाति के 30, अनुसूचित जाति के 10, ओबीसी के 35 सदस्य, सामान्य वर्ग के 15 और महिला सदस्यों की संख्या 19 है। विधानसभा में पहली बार चुनकर आए सदस्यों की संख्या 51 है। डॉ रमन सिंह ने कहा राष्ट्रपति की वर्तमान विधानसभा छठवीं विधानसभा है। हमारे विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 90 है। अनुसूचित जनजाति के 30, अनुसूचित जाति के 10, अन्य पिछड़ा वर्ग के 35 सदस्य, सामान्य वर्ग के 15 सदस्य, महिला सदस्यों की संख्या 19 है। पहली बार चुनकर आए सदस्यों की संख्या 51 है। राष्ट्रपति की संसदीय व्यवस्था का उद्देश्य लोक कल्याण है। अब तक 565 अहम विधेयकों को विधानसभा में पारित किया गया है। 2005 में मातृशक्ति के सम्मान सुरक्षित रखने की दृष्टि से टोनही प्रताड़ना के लिए विधेयक पारित किया। लोकसभा गारंटी विधेयक खाद्य सुरक्षा विधेयक पारित किया गया।

प्रधानमंत्री के संकल्प पूरा कर रही सरकार : सीएम साय

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विधानसभा के पटल पर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को पूरा करने का काम कर रही है। प्रदेश में महिला सशक्तीकरण के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में महतारी वंदन योजना का सफलता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है।

राष्ट्रपति के भाषण की बड़ी बातें

- छत्तीसगढ़ से मुझे बहुत लगाव है। मैं यहां कई बार आ चुकी हूं। यहां के लोग काफी अच्छे हैं इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं।
- आप जैसे बरगढ़, संबलपुर को छत्तीसगढ़ का हिस्सा समझते हैं, हम भी रायपुर को ओडिशा का हिस्सा समझते हैं।
- परिसीमन का सीमा है, लेकिन दिल की कोई दीवार नहीं है। दिल से हम सब एक। चाहे छत्तीसगढ़ हो या ओडिशा हो।
- 250 साल पहले गुरु घासीदास ने समाज सुधार का संकल्प लिया था उसे आज आप सबको सिद्ध करना है। श्रेष्ठ छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।
- छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा अंतिम चरण पर है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोग विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहते हैं।
- यहां के पारंपरिक लोक शिल्प की देश-विदेश में सराहना होती है। हरे-भरे जंगल, झरने मनमोह लेती हैं।
- यह राज्य सही अर्थों में भारत माता का प्रतीक है। नारी शक्ति के संदर्भ में मिनीमाता का योगदान याद है।
- जगन्नाथ सिर्फओडिशा के नहीं है। विश्व के हैं, छत्तीसगढ़ के हैं। मंदिर में जो 56 कोटि का चावल पकता है, वो छत्तीसगढ़ कहा है। जिसके प्रसाद को पूरा विश्व खाता है।
- मुझे बताया गया है कि अब तक छत्तीसगढ़ विधानसभा में 565 विधेयक पारित किए गए हैं, जिसमें कई विधेयक समाज के विकास से संबंधित है।
- इस सदन को छत्तीसगढ़ की माता बहनों का विशेष समर्थन मिला है। मैं महिला विधायकों से कहना चाहूंगी कि आप सब जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत रहें।
- छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं है, यहां सीमेंट, खनिज उद्योग, स्टील, एल्यूमिनियम और विद्युत उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विकास के कई मौके हैं।
- छत्तीसगढ़ से संसद जाने वाली पहली महिला जन सेवक थीं और लगातार पांच बार लोकसभा में सांसद बनी। मिनीमाता ने लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए कार्य किए थे।

राज्यपाल बोले- 25 साल की यात्रा का उत्सव मना रहे

रामेन डेका ने कहा हम अपने राज्य के 25 साल की यात्रा का उत्सव मना रहे हैं। हमारे लिए गर्व और उत्साह का क्षण है। छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में मेरी सरकार ने अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इस दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्य किए जाएंगे, जिससे हम अटल जी के सपनों के अनुसार छत्तीसगढ़ का निर्माण कर सके।

मुख्यमंत्री भी आदिवासी : डॉ महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने कहा कि यहां ओडिशा के बहुत से लोग रहते हैं। ओडिशा में भी छत्तीसगढ़ के लोग रहते हैं। इसलिए दोनों राज्य को हम अलग नहीं मानते। हमारे मुख्यमंत्री एक आदिवासी परिवार के हैं। जितनी सहजता और सरलता से यहां का नेतृत्व कर रहे हैं और हम सब लोग सदन में ही नहीं बल्कि बाहर भी उनके नेतृत्व को स्वीकार करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री के खेत में चोरी करने वाला पकड़ाया, रायपुर का व्यापारी भी गिरफ्तार

- डेढ़ माह पहले हुई थी चोरी, पाटन थाना क्षेत्र का है मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पाटन पुलिस ने पाटन विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खेत में चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में केबल वायर जब्त किया है।

पाटन पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मोहन लाल जांगड़े (57 साल) निवासी सिकोला ने पाटन थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खेतों में काम करता है और रखवाली करता है। उसने सिकोला खार के खेत में पानी देने के लिए पाइप को बिछाकर बोर लगाया था। इसके लिए उसने केबल वायर काफी लंबी लगाई थी।

30-31 जनवरी 2025 की दरम्यानी रात अज्ञात चोर ने केबल वायर के साथ ही सब्बल व ड्रम चोरी कर लिया। पुलिस ने किसान की शिकायत पर मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। पुलिस मामले की जांच कर ही रही थी कि रविवार 22 मार्च को गश्त के दौरान ग्राम रूही में एक बाइकका चालक संदिग्ध रूप से दिखाई दिया। पुलिस ने बाइक को रोका और जब उसकी तलाशी ली तो उसमें डिग्गी के अंदर हथौड़ी, पेचकस, आरी पत्ती मिली। पुलिस ने संहेद के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया। इसके बाद थाने लाकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनोहर मारकंडे (38 साल) बताया। तो उसने बताया कि वो थाना अमलेश्वर और पाटन के अंतर्गत कई गांव में केबल वायर की चोरी करता है। आरोपी ने बताया कि उसने अमलेश्वर और पाटन थाना क्षेत्र के गांव कुरुदडीह, झीट, अहिवारा, कापसी, भाठागांव, महुंदा, सिकोला और सोनपुर के खेत में लगे केबल वायर को रेकी करने के बाद काट कर चोरी किया है।

नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी के घर पर चला बुलडोजर बिल्डिंग प्लान की मंजूरी न होने पर निगम की कार्रवाई

नागपुर ए.। हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर के अवैध हिस्से को जमींदोज कर दिया गया है। नगर निगम अधिकारियों ने सोमवार को इसे ध्वस्त कर दिया। फहीम खान पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। नोटिस के बाद भी उसने अवैध ढांचे को नहीं हटाया। वह अल्पसंख्यक लोकतांत्रिक पार्टी (एमडीपी) का नेता भी है।

फ्हीम खान महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 17 मार्च को हुई हिंसा के लिए गिरफ्तार किए गए 100 से अधिक लोगों में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ दिन पहले नागपुर नगर निगम ने उसे नोटिस जारी किया था। इसमें कई खामियों और घर के लिए बिल्डिंग प्लान की मंजूरी न होने का हवाला दिया गया था। जानकारी के मुताबिक, घर यशोधरा नगर इलाके में संजय बाग कॉलोनी में स्थित है। घर

फहीम खान की पत्नी के नाम पर पंजीकृत है। एमडीपी के शहर प्रमुख फिलहाल जेल में बंद हैं।

जानिए क्या है मामला?

17 मार्च को हिंसा तब भड़की, जब यह अफ्वाह फैली कि छत्रपति संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान धार्मिक चादर जलाई गई। झड़प के बाद शहर के कई हिस्सों में पथराव और आगजनी हुई, जिसमें पुलिस उपायुक्त स्तर के तीन अधिकारियों सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

दंगाइयों से करेंगे नुकसान की भरपाई

इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने शनिवार को कहा कि हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई संपत्तियों की कीमत दंगाइयों से वसूली जाएगी। इसके अलावा भुगतान न करने पर नुकसान की भरपाई के लिए उनकी संपत्तियों को जब्त करके बेच दिया जाएगा। गृह मंत्रालय का प्रभार संभालने वाले फ्डणवीस ने कहा, 'मेरी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक पुलिस पर हमला करने वालों को पकड़कर उनके साथ सख्ती से पेश नहीं आया जाता।

बांग्लादेशी लिंक पर टिप्पणी करना जल्दबाजी'

मुख्यमंत्री ने कहा कि भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने वालों को हिंसा भड़काने में उनकी भूमिका के लिए सह-आरोपी बनाया जाएगा। फ्डणवीस ने यह भी कहा कि दंगों के विदेशी या बांग्लादेशी लिंक पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि जांच चल रही है। उन्होंने फहीम खान का नाम लिए बगैर कहा, 'हालांकि, मालेगांव हिंसा से कनेक्शन पर गौर किया जा सकता है, क्योंकि आरोपियों में से एक मालेगांव के एक राजनीतिक दल से संबंधित है।

कोई डिवोर्स मांगे तो दे देना चाहिए?

श्रीकंचनपथ

सौरभ ने मुस्कान से प्रेम विवाह किया था। वह मर्चेन्ट नेवी में था इसलिए घर से लंबे-लंबे समय तक दूर रहा करता था। इस बीच मुस्कान की साहिल से दोस्ती हो गई। दोनों ही पार्टी बाज निकले। नशा और पार्टीबाजी के चलते दोनों बेपरवाह भी हो गए। मुस्कान ने सौरभ से कहा कि वह उसे डिवोर्स दे दे। पर सौरभ तैयार नहीं हुआ। फिर मुस्कान ने एक बेहतरीन जाल की रचना की। अंधविश्वासी कर्मकाण्डी साहिल को उसने उसी के हथियारों से घायल किया और सौरभ की हत्या के लिए तैयार कर लिया। दोनों ने मिलकर सौरभ की हत्या कर दी। लाश गायब करने के लिए उन्होंने उसे प्लास्टिक के ड्रम में डाल दिया और सीमेंट का घोल डालकर उसे पैक कर दिया। इसके बाद दोनों हनीमून ट्रिप पर निकल गए। वहां मुस्कान ने मंदिर में साहिल से शादी भी कर ली। पैसे खत्म होने पर दोनों लौट आए। अब लोगों का कहना है कि काश! सौरभ ने मुस्कान को डिवोर्स दे दिया होता तो आज वह जीवित होता। पर यह इतना आसान भी नहीं है। यदि पति डिवोर्स देता है तो उसे पत्नी के भरण पोषण की जिम्मेदारी भी लेनी होती है। अगर बिना जिम्मेदारी के पत्नी से पीछा छुड़ाना हो तो पहले पत्नी का किसी और से अफेयर सिद्ध करना होता है। पत्नी की क्रूरता सिद्ध करना तो वैसे भी बहुत मुश्किल है। समाज के साथ-साथ सारे नियम कानून पत्नी को बेचारी मानते हैं और पति को हर बात के लिए जिम्मेदार मान लिया जाता है। सौरभ को मुस्कान से एक बेटी भी है। डिवोर्स के बाद बेटी का अधिकार स्वाभाविक रूप से उसकी मां को मिल जाता। शायद इसीलिए सौरभ डिवोर्स को टालता रहा। वैसे इस तरह के मामलों को विस्तार से समझने के लिए मैरिज काउंसलर्स हैं, परिवार न्यायालय हैं पर अधिकांश मामलों में पीड़ित पुरुष को न्याय नहीं मिल पाता। वैसे भी जिसका घर टूट रहा हो, उसे जीवन की परवाह ही कब होती है। अच्छा ही है कि तिल-तिल कर मरने से अच्छा उसे नींद में कत्ल हो जाने का वरदान मिल गया। दरअसल, आधुनिक सोच और समाज व्यवस्था स्त्री और पुरुष को एक दूसरे का पूरक मानती ही नहीं है। वह दोनों की बीच प्रतिद्वंद्विता चाहती है। उसे इस बात का अहसास तक नहीं है कि पिछले तीन-चार दशकों में उसने परिवार नाम की इकाई को ही तोड़ कर रख दिया है। आबादी के इस आधे हिस्से पर कब्जा जमाने के लिए राजनीतिक दांव-पेंच अब एक ऐसे मुकाम पर है जहां सीधे-सीधे रिश्वत की पेशकश की जा रही है। समाज में पुरुषों की स्थिति ड्रोन (पुरुष मधुमक्खी) जैसी हो गई है। शहद और पराग इकट्ठा करने तथा छत्ते की सुरक्षा की जिम्मेदारी भले ही नर मधुमक्खी की हो, शहद के छत्ते पर अधिकार रानी मधुमक्खी का ही होता है। रिश्तों की अहमियत और सहजता को समझे बिना सनातन की बातें बेमानी हैं।

संपादकीय

हौसले बुलंद हो तो ऐसा हो पाता है

कोई भी अभियान तब सफल होता है जब उसके नेतृत्व करने वाले को पूरा भरोसा होता है कि हम ऐसा कर सकते हैं। नेतृत्व को टीम पर भरोसा होता है कि तय समय पर टीम ऐसा करके दिखा सकती है तो टीम का हौसला बुलंद रहता है कि नेतृत्व हम पर भरोसा कर रहा है, रिजल्ट के लिए पूरी छूट दे रहा है तो वह लक्ष्य को पूरा करने जी जान से जुट जाती है। टीम को नेतृत्व पर भरोसा होता है कि हम लक्ष्य को पूरा करने के लिए जो भी सुविधा, संसाधन चाहेंगे वह मिल जाएगा तो नेतृत्व की भी जिम्मेदारी होती है कि वह टीम उससे जो अपेक्षा करती है,वह भी पूरा करके दिखाए।

“ सीएम साय के समय नक्सली सफाए का अभियान इसलिए सफल है कि नेतृत्व ने अपनी टीम को निराश नहीं किया है और टीम ने भी अपने नेता को निराश नहीं किया है। जब नेता को टीम पर पूरा भरोसा होता है और टीम को अपने नेता पर पूरा भरोसा होता है तो सुनियोजित आपरेशन में बड़ी संख्या में नक्सली घेर कर मारे जाते हैं। नक्सलियों के सफाए में लगे जवावों ने बस्तर संभाग में गुरुवार 20 मार्च को दो अलग-अलग जगह 30 नक्सलियों का मार गिराया है। जवानों व नक्सलियों के बीच पहली मुठभेड़ बीजापुर दंतेवाड़ा सीमा पर और दूसरी मुठभेड़ कांकेर नारायणपुर सीमा पर हुई। जवानों को खबर मिली कि बीजापुर जिल के अंडरी व गमपुर के बीच जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद है, 600 जवानों ने रात भर चल कर मौके पर पहुंची और रात को ही नक्सलियों की घेराबंदी कर सुबह नक्सलियों का सफाया शुरू किया।

नक्सलियों को जब तक पता चलता कि उनको जवानों ने घेर लिया है तब तक जवानों ने 26 नक्सलियों का मार गिराया। इस दौरान एक डीआरजी का जवान शहीद हुआ। जवानों की इस साल की एक और बड़ी सफलता है। इसी तरह नारायणपुर कांकेर सीमा पर हुई मुठभेड़ में जवानों चार नक्सलियों को मार गिराया।बताया गया है कि इस दौरान नक्सली नेता पापा राव व लिंगू भी थे लेकिन वह भाग निकलने में सफल रहे। भाग निकले नक्सलियों को पकड़ने के लिए अलग टीम रवाना की गई है। माना जा रहा है कि जवानों के हमले में घायल नक्सली जंगल मे छिपे है, उनकी तलाश भी की जा रही है।जवानों के हौसले बुलंद है इसलिए वह नक्सलियों को घेर कर मारने में सफल हो रहे हैं, इसकी वजह यह है कि अब नक्सलियों के कहीं भी मौजूद होने की पक्की सूचना जवानों तक पहुंच रही है। पक्की सूचना पर बड़ी संख्या में जवान भी हमेशा बस्तर में मौजूद रहते हैं।

पक्की सूचना व हमेशा बड़ी संख्या में जवान अभियान के लिए मौजूद रहने पर ही नक्सलियों का सफाया आसान हो गया है। पहले न तो नक्सलियों के कहीं होने की पक्की सूचना जवानों को मिल पाती थी और न ही बड़े आपरेशन के लिए तत्काल हजार पंद्रह सौ जवान उपलब्ध रहते थे। अभियान पर निकले जवानों को बैकअप चाहिए तो और जवानों के तत्काल भेजा जा सकता है। नक्सलियों के सफाए के लिए जरूरी है कि बस्तर में जितने नक्सली हैं, हमेशा उससे ज्यादा जवान मौजूद रहें। इससे नक्सली जवानों से डरते हैं सीधा मनोविज्ञान है कि जो संख्या में ज्यादा होता है, वह हमला करता है और जो संख्या में कम होता है वह जान बचाने की फिक्र करता है।

अमितशाह ने जब तय किया कि नक्सलियों का सफाया 31मार्च 2026 तक करना है तो उन्होंने यूं ही नही कह दिया था इसके लिए जो भी जरूरी तैयारी थी, वह सब की गई। जवानों की संख्या बढ़ाई गई, पूरे बस्तर में नए नए कैंप खोले गए। कहीं भी पहुंचने के लिए सड़के बनाई गईं। यह तैयारी तो पहले की सरकारें भी कर सकती थी,पहले के गृहमंत्री भी कर सकते थे लेकिन उनमें और अमित शाह में एक बड़ा फर्क यह है कि दूसरी सरकारें व गृहमंत्री सोच ही नहीं पाते थे कि नक्सलियों का सफाया बस्तर से किया जा सकता है। इसलिए जवान भी कर नहीं पाते थे, जिस काम को नेता ही संभव नहीं मानता हो उस काम को उसकी टीम कैसे कर सकती है। अमित शाह ने सोचा नक्सलियों का सफाया करना है तो उन्होंने यह भी सोचा कि सफाया कैसे किया जा सकता है।

सीधा सा उपाय था कि बस्तर में जवानों की संख्या नक्सलियों से ज्यादा होगी तो नक्सली जवानों से डरेंगे और जवान उनको आसानी से मार सकेंगे। पहले अक्सर होता यह था कि नक्सली संख्या में ज्यादा होते थे, वह योजना बनाकर हमला करते थे और जवान मारे जाते थे। इससे जवानों में मारे जाने का डर होता था। अमित शाह ने जवानों की संख्या नक्सलियों से ज्यादा कर जवानों के डर को खत्म कर दिया है। अब मारे जाने का डर नक्सलियों में है। बस्तर में ऐसी कोई जगह नहीं है आज जहां जवान जाकर हमला नहीं कर सकते। पहले कई ऐसी जगहें थी जहां जवानों को भेजा नहीं जाता था कि नक्सली उनको घेर कर मार देंगे। अमित शाह की बड़ी सफलता यह है कि आज जवान नक्सलियों से नहीं डरते हैं, आज नक्सली जवानों से डरते हैं।

यही वजह है कि इस साल मात्र 80 दिन में जवानों ने 93 नक्सली मार गिराए हैं। 4 जनवरी को मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे और एक जवान शहीद हुआ था। 9 जनवरी को सुकमा बीजापुर सीमा पर 3नक्सली मारे गए थे,12 जनवरी को मद्देड़ इलाके में 5 नक्सली मारे गए थे,16 जनवरी को पुजारी कांकेर में 18 नक्सली मारे गए थे,20-21 जनवरी को ओडिशा सीमा पर 27 नक्सली मारे गए थे. 2 फरवरी को गंगालूर में 8 नक्सली मारे गए थे, 9 फरवरी को मद्देड़ फरसेगढ़ सीमा पर 31 नक्सली मारे गए थे। इन आंकड़ों को देखा जाए तो पता चलता है कि हमारे जवानों के हौसले कितने बुलंद हैं, वह जनवरी व फरवरी में तो हर तीन से पांच दिन में नक्सलियों को घेर कर मारने में सफल रहे हैं। हर सप्ताह जवानों ने नक्सलियों पर हमला किया है और उनको मारा है।

इस दौरान दो ही जवान शहीद हुए है। इस तरह देखा जाए तो जवानों ने कम से कम नुकसान उठाकर नक्सलियों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। जवानों का नक्सलियों पर इतना खौफ है कि वह पहले की तरह योजना बनाकर कोई हमला नहीं कर पा रहे हैं वह इन दिनों अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं और बचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों में भी भाजपा की सरकार होने के तीनों राज्यों के बीच नक्सलियों के सफाए के लिए सहमति बनी हुई है और वह एक दूसरे को नक्सलियों की सूचना देकर नक्सलियों के सफाए में मदद भी कर रहे हैं। यही वजह है कि नक्सलियों के लिए बस्तर सहित आसपास के राज्यों में भी कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। नक्सली जिस इलाके को सुरक्षित समझते है, वहां जवानों ने उन को घेर कर मार कर बता दिया है कि बस्तर में अब कोई ऐसी कोई जगह नहीं है जहां वह पहुंच कर नक्सलियों का मार नहीं सकते।

सब तहस नहस का अभियान

हरिशंकर व्यास

लंबे समय तक भारत की विकास गाथा महाराष्ट्र की विकास गाथा रही है। लेकिन आज जिस तरह से भारत गाथा यानी इंडिया स्टोरी दिशाहीन दिख रही है वैसे ही महाराष्ट्र की भी दिख रही है। फर्क यह है कि जहां तक भारत गाथा के दिशाहीन होने का सवाल है तो वह गलत नीतियों और नासमझी से है लेकिन महाराष्ट्र के दिशाहीन होने के पीछे एक सुविचारित योजना दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि योजनाबद्ध तरीके से महाराष्ट्र की राजनीति, समाज व्यवस्था और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास हो रहा है। पिछले एक दशक से कुछ ज्यादा समय में महाराष्ट्र में जो कुछ भी हुआ है या हो रहा है उसकी लाभार्थी भाजपा है और पड़ोसी राज्य गुजरात है। आने वाले दिनों में भी अगर महाराष्ट्र में अस्थिरता और तनाव बना रहता है तो उसका लाभ गुजरात को ही मिलेगा।

महाराष्ट्र को किस तरह से दिशाहीन और अस्थिर किया गया है इसकी कई मिसालें हैं। शुरुआत मौजूदा सांप्रदायिक विवाद से कर सकते हैं। यह अनायास नहीं हुआ है कि समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब का मुद्दा छेड़ दिया। जिस समय उन्होंने औरंगजेब को दयालु और अच्छा शासक बताया उस समय महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र चल रहा था। सरकार बीड के एक लोकप्रिय सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में घिरी थी। उस मामले में राज्य सरकार के तत्कालीन मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगियों के शामिल होने की खबरें सामने आ चुकी थीं। उस घटना के भयावह वीडियो और तस्वीरें भी सामने आईं, जिनकी वजह से मुंडे को इस्तीफा देना पड़ा।

तब कहा गया कि विधानसभा में बीड की हत्या और मुंडे के मसले पर ज्यादा विवाद न हो इसलिए औरंगजेब का मुद्दा उठवा दिया गया। औरंगजेब का मुद्दा उठने के बाद दो दिन तक सदन में उसकी चर्चा होती रही। फिर अबू आजमी पर मुकदमा हुआ और उनकी माफी हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि औरंगजेब की कब्र हटा देनी चाहिए लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई के जरिए उसे संरक्षित कर दिया है। मुख्यमंत्री के यह कहने के बाद औरंगजेब की कब्र के खिलाफ मुहिम छिड़ गई। उनके अपने चुनाव क्षेत्र नागपुर में भारी सांप्रदायिक दंगे हुए। सो महाराष्ट्र में स्थायी तनाव और उबाल बन गया है, जिससे निवेश का माहौल प्रभावित होगा। अब महाराष्ट्र निवेशकों की पसंदीदा जगह नहीं है। उन्हें महाराष्ट्र से बेहतर गुजरात में मिल रहा है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन को कहा कि 2002 से पहले गुजरात में ढाई सौ दंगे हुए थे लेकिन उसके बाद से स्थायी शांति है। उस स्थायी शांति की वजह से निवेशक गुजरात की ओर जाएंगे।

वैसे भी पहले से ही महाराष्ट्र की बड़ी परियोजनाएं गुजरात जा रही हैं। 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले एक के बाद एक कई परियोजनाएं महाराष्ट्र से हटा कर गुजरात ले जाई गई, जिसमें एक सेमीकंडकर की परियोजना भी है। करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए के निवेश वाली सेमीकंडक्टर की परियोजना पहले गुजरात में लगने वाली थी, जिसे गुजरात शिफ्ट कर दिया गया। ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन के साथ वेदांता समूह की यह परियोजना है। इसी तरह टाटा और एयरबस की विमान बनाने की परियोजना को भी गुजरात ले जाया गया। यह भी कोई 60 हजार करोड़ रुपए की परियोजना है। पहले सरकारी स्तर पर प्रयास करके महाराष्ट्र की परियोजनाएं गुजरात ले जाई गईं और अब स्वाभाविक रूप से महाराष्ट्र में ऐसा माहौल बना है कि कारोबारी वहां की बजाय दूसरे राज्य का रुख करेंगे।

इसके लिए पहले राजनीतिक अस्थिरता कायम की गई। महाराष्ट्र में भाजपा और शिव सेना का परफेक्ट सद्भाव था। लेकिन शिव सेना ब्रांड के हिंदुत्व की राजनीति को खत्म करने के लिए उसे तोड़ने या कमजोर करने का प्रयास पहले दिन से शुरू हो गया। भाजपा इस सोच में काम कर रही थी कि उसके अलावा हिंदुत्व की राजनीति करने वाली कोई पार्टी या कोई ताकत न रहे। उसको पता था कि बाल ठाकरे की विरासत लेकर राजनीति करने वाली शिव सेना हमेशा उसके लिए चुनौती है। इसलिए पहले शिव सेना में विभाजन कराया गया। फिर शरद पवार की पार्टी एनसीपी में टूट कराई गई। यानी हिंदुत्व की राजनीति करने वाली ताकत और मराठा राजनीति की ताकत दोनों को कमजोर किया गया। इससे राजनीतिक अस्थिरता बनी। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद जो राजनीतिक अस्थिरता बनी उसमें उद्धव ठाकरे की सरकार भी ढाई साल ठीक तरीके से काम नहीं कर सकी थी। उसके बाद शिव सेना को तोड़ कर भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जो सरकार बनवाई वह भी समय काटने वाली सरकार थी। उसी सरकार के कार्यकाल में फॉक्सकॉन और वेदांता की सेमीकंडक्टर की परियोजना महाराष्ट्र से हट कर गुजरात गई। इसमें करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की बात थी। शिव सेना और एनसीपी के टूटे हुए धड़े के साथ भाजपा ने अपनी सरकार तो बना ली है लेकिन सरकार का फोकस पूरी तरह से बदला हुआ है।

अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ऐसे प्रयोग कर रहे हैं, जिससे सत्ता स्थायी बने। राज्य में धार्मिक और सामाजिक विभाजन बना रहे। ध्यान रहे पिछले साल हुए चुनावों से पहले पूरे पांच साल राज्य में मराठा आरक्षण का आंदोलन चलता रहा और फिर उसकी काट में ओबीसी आरक्षण का आंदोलन होता रहा। यानी धार्मिक विभाजन के प्रयास होते रहे, राजनीतिक अस्थिरता बनाई गई और सामाजिक विद्वेष के प्रयास होते रहे। मुंबई सहित सभी बड़े शहरों में नगर निकाय चुनाव रोक कर रखे गए हैं। क्यों रोक कर रखा गया यह किसी को समझ में नहीं आ रहा है।

देश की वित्तीय राजधानी होने के साथ मुंबई की एक पहचान उसके फिल्म उद्योग से है। पिछले पांच साल से फिल्म उद्योग को तहस नहस करने के व्यवस्थित प्रयास हैं। पांच साल पहले कोरोना महामारी के समय एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की खुदकुशी के बहाने फिल्म उद्योग को बदनाम करने की मुहिम शुरू हुई, जो शाहरूख खान के बेटे आर्यन खान की नशे के झूठे मामले में गिरफ्तारी से और आगे बढ़ी। सभी फिल्मी सितारों या फिल्म से जुड़े लोगों को नशेड़ी, जुआरी, बदचलन आदि साबित करने का व्यवस्थित अभियान चला। सरकार के समर्थन में दिन भर गला फाड़ने वाले चैनलों पर महीनों तक लगातार फिल्म उद्योग को बदनाम करने वाली बहसें चलती रहीं। इस प्रयास का नतीजा यह हुआ कि हिंदी फिल्में लगातार पिटने लगीं और उसके मुकाबले दक्षिण की फिल्में सुपर कारोबार करने लगीं। ऐसा नहीं है कि अब हिंदी फिल्म उद्योग को बदनाम करने और उसे तहस नहस करने का प्रयास बंद हो गया है।

एक बार फिर सुशांत सिंह राजपूत केस को उठाया गया है। उनकी मैनेजर रही दिशा सालियान की खुदकुशी के मामले में सालियान के पिता हाई कोर्ट पहुंचे हैं और पांच साल बाद उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी एक बलात्कार का गवाह बन गई थी इसलिए उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उन्होंने इस मामले में उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे को मुख्य आरोपी बनाने और गिरफ्तार करने की मांग की है। सुशांत सिंह राजपूत के पिता इसमें उनका समर्थन कर रहे हैं। हकीकत यह है कि इससे पहले सालियान के पिता खुद ही कई बार कह चुके हैं कि उनकी बेटी ने खुदकुशी की है। इसमें कोई राजनेता या फिल्म स्टार शामिल नहीं था। लेकिन पांच साल के बाद अचानक उनकी राय बदल गई। इस मामले में एसआईटी और सीबीआई सबकी जांच हो चुकी है और किसी ने खुदकुशी के अलावा किसी और बात के सबूत नहीं पाए हैं। फिर भी हाई कोर्ट में मामला पहुंचा है और भाजपा के लोग उद्धव व आदित्य ठाकरे के साथ साथ फिल्म उद्योग के एक खास समूह को निशाना बनाने में जुटे हुए हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

कितनी लड़ाई लड़ेंगे दक्षिणी राज्य?

अजीत द्विवेदी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की आमंत्रण पर शनिवार, 22 मार्च को आठ राज्यों के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री या उनके प्रतिनिधि चेन्नई में जुटने वाले हैं। तमिलनाडु के अलावा केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल होंगे। इनके अलावा दो पूर्वी राज्य, पश्चिम बंगाल और ओडिशा और एक उत्तरी राज्य पंजाब को भी न्योता दिया गया है। इन राज्यों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से लोकसभा सीटों के परिसीमन पर चर्चा करेंगे। परिसीमन के अलावा दक्षिणी राज्यों ने कई अन्य मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई छेड़ी है। आंध्र प्रदेश को छोड़ कर तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा विरोधी दलों की सरकार है। ये सभी सरकारें आशंकित हैं। उनकी आशंका कुछ तो जायज कारणों से है और कुछ राजनीतिक कारणों से भी है। कम से कम चार मसले ऐसे हैं, जिन पर इन राज्यों ने मोर्चा खोला है। एक मसला वित्त का है। दक्षिण भारतीय राज्यों का कहना है कि वे ज्यादा कर दे रहे हैं और जीडीपी में ज्यादा भागीदारी दे रहे हैं लेकिन उस अनुपात में उनको केंद्रीय बजट से कम पैसे मिलते हैं और करों में भी उनकी हिस्सेदारी कम होती जा रही है। दूसरा मुद्दा शिक्षा का है। नई शिक्षा नीति को लेकर ये राज्य केंद्र का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली नीट परीक्षा का भी तमिलनाडु ने विरोध किया था। नई शिक्षा नीति के मसले पर तो चार दक्षिणी राज्यों के साथ हिमाचल प्रदेश और झारखंड की दो सरकारें भी शामिल हैं। तीसरा मुद्दा भाषा का है, जिस पर लड़ाई की कमान तमिलनाडु ने संभाली है और चौथा मुद्दा परिसीमन का है, जिस पर सभी दक्षिणी राज्य लड़ने को तैयार हैं और दूसरी विपक्षी पार्टियों को भी इस लड़ाई में शामिल कर रही हैं।

इन सभी मुद्दों की अपनी अपनी जगह पर अहमियत है लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि क्या इतने मुद्दों पर केंद्र के साथ टकराव का एक खास राजनीतिक व सामाजिक नैरेटिव नहीं बन रहा है, जिससे देश के लोगों में विभाजन बढ़ सकता है और वास्तविक टकराव हो सकता है? क्या इससे तमिलनाडु और दूसरे दक्षिणी राज्यों में केंद्र सरकार के बहाने उत्तर भारत के राज्यों और लोगों के प्रति नाराजगी नहीं बन रही है? तभी जरूरी मुद्दों पर केंद्र के साथ टकराव के बीच भी दक्षिण भारत के राज्यों को सावधानी बरतनी होगी ताकि टकराव उत्तर और दक्षिण का न बने। संभवतः इसी सोच में तमिलनाडु ने पहल करके पूर्वी और उत्तरी राज्यों को अपने साथ जोड़ा है। नई शिक्षा नीति के मसले पर छह राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की वार्ता हुई, जिसमें झारखंड और पंजाब को भी रखा गया तो परिसीमन के मसले पर 22 मार्च को बुलाई बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सात राज्यों के नेताओं को चिट्ठी लिखी है, जिसमें ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब को भी शामिल किया है। गौरतलब है कि ओडिशा में भाजपा की सरकार है। वहां के मुख्यमंत्री निश्चित रूप से स्टालिन के बुलावे पर चेन्नई नहीं जाएंगे लेकिन उनको चिट्ठी लिख कर स्टालिन ने यह संदेश दिया है कि वे जो मसले उठा रहे हैं वह सिर्फ दक्षिणी राज्यों तक या सिर्फ गैर भाजपा दलों तक सीमित नहीं है।

बहरहाल, दक्षिण के राज्य केंद्रीय करों के बंटवारे और केंद्र सरकार के अनुदान को लेकर काफी समय से अपना विरोध जताते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने जनसंख्या के साथ साथ आर्थिकी का बेहतर प्रबंधन किया है। लेकिन इसका लाभ देने की बजाय केंद्र सरकार उनको इसकी सजा दे रही है। उनका यह भी कहना है कि वे ज्यादा राजस्व संग्रह कर रहे हैं लेकिन उसके अनुपात में उनको कम हिस्सा मिल रहा है, जबकि कम राजस्व संग्रह वाले बड़ी आबादी के राज्यों को ज्यादा हिस्सा मिल रहा है। इसका मतलब है कि जिस तरह आबादी ज्यादा होने की वजह से उत्तर भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व ज्यादा है उसी तरह आबादी और गरीबी की वजह से उनको वित्तीय मदद भी ज्यादा मिल रही है। इस सिलसिले में पिछले साल फरवरी में डीएमके के एक सांसद ने राजस्व संग्रह और राज्यों के बीच उसके बंटवारे को लेकर संसद में सवाल पूछा था। इसके जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल ने पिछले पांच वर्षों में प्रत्यक्ष करों के माध्यम से सामूहिक रूप से 22.26 लाख करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया, जबकि केवल 6.42 लाख करोड़ रुपए ही इन राज्यों को हस्तांतरित किए गए। इसके उलट, उत्तर प्रदेश ने इसी अवधि में सिर्फ 3.41 लाख करोड़ रुपए का योगदान किया और उसे 6.91 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए। अप्रत्यक्ष कर यानी जीएसटी में निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश का योगदान ज्यादा होगा।

असल में 15वें वित्त आयोग ने कर हस्तांतरण के निर्धारक के रूप में 2011 की जनगणना का उपयोग करके उत्तर और दक्षिण के विभाजन को और बढ़ा दिया। इससे पहले आयोग के कामकाज में 1971 और 2011 की जनगणनाओं का मिश्रण शामिल था, उसका उद्देश्य प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण उपायों के लिए राज्यों को पुरस्कृत करना था। हालांकि, 2011 की जनगणना पर निर्भरता ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी, जहां उत्तर प्रदेश जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को काफी अधिक हिस्सा मिलता है, जिससे कम आबादी वाले दक्षिणी राज्य नुकसान में रह जाते हैं। उत्तर प्रदेश को हस्तांतरित करों का 18 फीसदी मिला, जबकि तमिलनाडु को 4.2 फीसदी, कर्नाटक को 3.65 फीसदी, तेलंगाना को 2.13 फीसदी, आंध्र प्रदेश को 4.11 और केरल को सिर्फ 1.96 फीसदी मिलता है। ऊपर से केंद्र सरकार ने हस्तांरित होने वाले करों को स्थिर रखा है और सेस व सरचार्ज बढ़ा दिया है, जो उसके पास ही रह जाता है। प्रत्यक्ष कर पहले से केंद्र सरकार वसूलती है और जीएसटी के जरिए अप्रत्यक्ष कर वसूलने का अधिकार भी केंद्र को दे दिया गया है। ऐसे में राज्यों के पास अपने साधन से राजस्व जुटाने के विकल्प बहुत कम रह गए हैं। वे पेट्रोलियम उत्पादों और शराब से ही कर जुटा सकते हैं। कर जुटाने और बंटवारे की कमान चूंकि केंद्र के हाथ में है और केंद्र की मौजूदा सरकार उत्तर भारत के राज्यों के राजनीतिक समर्थन से बनी है तो दक्षिणी राज्यों में भेदभाव की भावना मजबूत हो रही है।

परिसीमन के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। उनको लग रहा है कि उत्तरी राज्यों को ज्यादा आर्थिक मदद देने के बाद अब उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी पहले से ज्यादा बढ़ाया जा रहा है। अगर आनुपातिक आधार पर ही लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ती है तब भी उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में ही ज्यादा सीटें बढ़ेंगी। अगर आबादी के अनुपात में बढ़ाया गया तब तो इन राज्यों का संपूर्ण वर्चस्व हो जाएगा। इस मसले पर सात राज्यों के नेता 22 मार्च को विचार करेंगे। संसद के बजट सत्र में कांग्रेस ने भी परिसीमन के मामले पर तमिलनाडु की ओर से उठाई जा रही चिंताओं से सहमति जताई है। हालांकि अभी तुरंत परिसीमन नहीं होने जा रहा है। उससे पहले जनगणना होगी और उसके आंकड़ों के आधार पर परिसीमन होगा, जिसके बारे में अमित शाह ने कह दिया है कि आनुपातिक आधार पर सीटें बढ़ाई जाएंगी। यानी अगर संसद की कुल सीटों की संख्या 20 फीसदी बढ़ाने का फैसला होता है तो सभी राज्यों की सीटों में 20-20 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इस लिहाज से तमिलनाडु में आठ सीटें कम होने का जो नैरेटिव बनाया जा रहा है वह बेबुनियाद हैं। यह अलग बात है कि उत्तरी राज्यों का राजनीतिक वर्चस्व पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। जहां तक नई शिक्षा नीति और भाषा का सवाल है तो उसमें भी राजनीति का अंश ज्यादा है और वास्तविक चिंता कम है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की वजह से तमिलनाडु ने इन भावनात्मक मुद्दों को जोर शोर से उठाया है। चुनाव के बाद ये मुद्दे हाशिए में चले जाएंगे। लेकिन उससे पहले इन मुद्दों को जितनी हवा दी जाएगी, देश की एकता व अखंडता के लिए चिंता उतनी बढ़ती जाएगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

एक और जज्बाती मुद्दा

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल की टीएमसी भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। भाषा, परिसीमन, और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत राज्यों की स्वायत्तता के कथित हनन की शिकायत को जोड़ कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन केंद्र के खिलाफ विपक्षी लामबंदी करने में सफल होते दिख रहे हैं।

मकसद बेशक अगले चुनावों के मद्देनजर सियासी गोलबंदी है, फिर भी भाषा जैसे जज्बाती प्रश्नों में छिपी शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। धर्म और जाति केंद्रित गोलबंदी की राजनीति ने देश को पहले ही भटका रखा है। अब भाषा और प्रादेशिक पहचान के मुद्दों पर बढ़ रहे तनाव से एक और गंभीर चुनौती खड़ी होती दिख रही है।

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित विपक्षी बैठक में इस लामबंदी का अगला एजेंडा जाहिर होगा। बहरहाल, यह साफ है कि केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता के केंद्रीकरण एवं अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने का जो उत्साह दिखाया है उस पर कई सियासी हलकों में विपरीत प्रतिक्रिया उभर रही है। इसलिए यह सही वक्त है, जब इस मसले को गंभीरता से लिया जाए। भाषा और एनईपी के मुद्दों पर भरोसे का माहौल बनाने की जरूरत है।

परिसीमन पेचीदा सवाल है। लोकसभा में आबादी की संचरना का प्रतिनिधित्व ना हो, तो उससे सदन का लोकतांत्रिक चरित्र प्रभावित होता है। इसीलिए संविधान में राज्यसभा की कल्पना राज्यों के सदन के रूप में की गई थी। मगर राजनीतिक दलों ने इसे जनता का सामना करने के अनिच्छुक नेताओं तथा निहित स्वार्थों के प्रतिनिधियों का सदन बना दिया। अब इस सारे घटनाक्रम पर पुनर्विचार की जरूरत है।

गौरतलब है कि अमेरिका में प्रतिनिधि-सभा में राज्यों को आबादी के अनुपात में, लेकिन सीनेट में हर राज्य को बराबर-दो सीटें देकर ऐसी समस्या का हल निकाला गया है। क्या वर्तमान भारतीय राजनीतिक नेतृत्व में ऐसा अभिनव समाधान निकालने की इच्छाशक्ति है? निर्विवाद है कि देश के दीर्घकालिक हित में ऐसा करना आवश्यक हो गया है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

बेसहारा बुजुर्गों के साथ खुशियां बांटी लीनेस क्लब ने

भिलाई। महिला दिवस पखवाड़े में लीनेस क्लब भिलाई की ओर से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में क्लब की ओर से महिला सफ़ाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान इन महिला सफ़ाई कर्मियों के विशिष्ट योगदान को रेखांकित करते हुए क्लब ने इसे अतुलनीय बताया। इस दौरान क्लब की ओर से लीनेस लता गायकवाड़ , सुषमा गुप्ता, रीटा कुखरानिया, माला पोपली, राजश्री जैन और देवयानी चंद्राकर सहित क्लब के सदस्य उपस्थित थे। क्लब ने आयोजनों की कड़ी में वंचित, गरीब और बेसहारा बुजुर्गों के साथ फ्लो के साथ होली का आयोजन कर खुशियां बांटी। सेक्टर-3 बीएसपी के पुराने स्कूल भवन में संचालित फील परमार्थम संस्था पहुंच कर लीनेस क्लब की सदस्यों ने सभी बुजुर्गों को नाश्ता कराया और सभी को फ्लू वितरित किया। इस दौरान सभी बुजुर्गों ने खुश होकर इस सम्मान के लिए आभार जताया। एक अन्य आयोजन में लीनेस क्लब की ओर से सेक्टर-1 नेहरू हाउस के समीप स्थित डॉग शेल्टर में चावल, बिस्किट एवं चादर जैसे उपयोगी सामान भेंट किए गए। जिसमें क्लब की ओर से लता गायकवाड और माला पोपली ने प्रदान किए थे। इस दौरान क्लब के तमाम सदस्य उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में महिलाएं हर दृष्टि से स्वतंत्र और अधिकार सम्पन्न

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया भिलाई इकाई एवं राजनांदगाँव इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के अवसर पर विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं की दशा एवं दिशा पर सार्थक बातचीत हुई। विमर्श में महिला और पुरुष दोनों ही वर्ग के प्रबुद्ध सदस्यों ने अपने विचार खुलकर रखे। आयोजन की जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य शाखा सचिव एवं भिलाई इकाई चेयरमैन के. सुब्रमण्यम , भिलाई इकाई प्रेसिडेंट ऋषि कांत तिवारी एवं राजनांदगांव समन्वयक मिनेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि सभी सदस्यों ने समवेत स्वर में स्वीकार किया कि स्त्री पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। एक दूसरे को सम्पूर्णता प्रदान करते हुए ही अपने अस्तित्व को सार्थक कर सकते हैं। दोनों ही परस्पर सहयोग कर एक दूसरे के नकारात्मक पक्षों को और गुणात्मक विशेषताओं को उभार सकते हैं। सदस्यों ने स्वीकार किया कि आज की महिलाओं को मर्यादा सहित सभी प्रकार की स्वतंत्रता है । यदि किसी भी स्तर पर कोई बंदिश है, तो वह पुरुष वर्ग द्वारा स्त्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ही है। सदस्यों ने कहा कि स्त्री पुरुष की संपूरकता के कारण ही हमारी संस्कृति में अर्धनारीश्वर की परिकल्पना है। आयोजन को सफ्ल बनाने में भूमिका देवांगन, लीना देवांगन, ओमकुमारी देवाँगन, भारती साव, श्वेता तिवारी, अनीता शुक्ला, ममता साहू, शांति साहू, शिल्पा मराठे, प्रीति साहू , प्रज्ञा बाम्बेश्वर, कल्पना अवधिया , मंजीत कौर गिल, सविता सिंह, सहित सुधीर अवधिया, महेन्द्र देवांगन, सुबोध देवाँगन , पंकज मेहता, हरदेव सिंह गिल, जयप्रकाश साव, कमल साहू, संजय साहू , विनय शुक्ला , किशोर छबलानी , लिगेन्द्र वर्मा एवं तमाम सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही ।

श्री सिद्ध बाबा बालकनाथ मंदिर में लुधियाना से आएगी रोटी बनाने वाली बड़ी मशीन, विधायक रिकेश ने दिया तीन माह का मानदेय

शांति नगर से मंदिर तक 5 रविवार पद यात्रा कर चुके हैं रिकेश सेन, मंदिर पहुंच कमेटी से अपनी मन्नत पूरी होने की खुशियां की साझा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री सिद्ध बाबा बालकनाथजी मन्दिर में लगभग 6 लाख की इस राशि से मंदिर समिति द्वारा रोटी बनाने की बड़ी मशीन क्रय की जाएगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अपने तीन महीने की मानदेय राशि इसके लिए अर्पित की है। पार्षद रहते हुए रिकेश सेन ने 2023 के विधानसभा चुनाव के पूर्व बाबा बालकनाथजी से मन्नत मांगी और अपने शांति नगर निवास से लगातार 5 रविवार तक पैदल यात्रा कर वे खुर्सीपार स्थित बालकनाथ मंदिर पहुंचे थे।

विधायक बनने के बाद रिकेश ने आज सुबह मंदिर पहुंच पूजा अर्चना की और अपनी मन्नत पूरी होने के बाद आशिर्वाद ग्रहण करते हुए उन्होंने समिति से यह बात बताई और समिति से चर्चा कर रोटी बनाने की मशीन के लिए उन्होंने अपने तीन माह का विधायक मानदेय अर्पित किया है। आपको बता दें कि 61 वर्ष पूर्व गुरुदेव महाराज सेवाराम भगत द्वारा सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ की प्रतिमा की स्थापना खुर्सीपार में की गई थी। तब से भिलाई दुर्ग रायपुर सहित छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं।

वर्ष 2022 के मई महीने में सेवाराम भगतजी का निधन हुआ। महाराज सेवाराम भगत ने ही मंदिर की नींव रखी थी। श्री सिद्ध बाबा बालकनाथजी मंदिर में प्रतिवर्ष महायज्ञ एवं विशाल महाभंडारा होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंच कर महाप्रसाद ग्रहण करते हैं। बाबाजी का महायज्ञ एवं महाभंडारा मार्च महीने में लगभग 8 से 10 दिन तक होता है।

इस दौरान वाहन रैली, झंडा लेकर प्रभात फेरी, बाबाजी का अभिषेक एवं विशाल भंडारा के आयोजन में देश के भिन्न भिन्न शहरों से श्रद्धालुजन भाग लेते हैं और एक लाख से अधिक लोग महाप्रसाद ग्रहण करते हैं।

भिलाई-दुर्ग के निवासियों की गहरी श्रद्धा

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि श्री सिद्ध बाबा बालकनाथजी मन्दिर के प्रति भिलाई-दुर्ग के निवासियों की गहरी श्रद्धा है। बाबा बालकनाथ मंदिर की रसोई में 50 हजार से ज्यादा लोगों का भोजन तैयार होता। महिलाएं रोजाना आकर अनाज की साफ-सफ़ाई सहित अन्य कार्य संभालती रही हैं। मंदिर कमेटी श्री सिद्ध बाबा बालकनाथ मंदिर में हर वर्ष भक्तों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। खासकर महायज्ञ में शामिल होने छत्तीसगढ़ के शहरों सहित अन्य प्रदेश से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इसलिए समिति से चर्चा कर मैंने तीन माह का अपना मानदेय यहां अर्पित किया है ताकि इस राशि से रोटी बनाने की मशीन स्थापित हो सके। महाभंडारा और रसोई के लिए यह मशीन काफ़ी उपयोगी होगी।

विधायक रिकेश जनसेवा में दे रहे हैं मानदेय राशि

गौरतलब हो कि रिकेश सेन विधायक बनने के बाद लगातार अपनी मानदेय राशि ईश्वर और जनसेवा में समर्पित करते रहे हैं। उन्होंने नेहरू नगर गुरूद्वारा को शव फ्रिज़र के लिए ई रिक्शा, चैरिटेबल अस्पताल के लिए मार्डन डेंटल चेयर, बैजनाथ धाम झारखंड में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रांगण की गलियों में रबर मैट, बालोद के प्रसिद्ध मां गंगा मैया मंदिर में सोने का टीका तथा सेक्टर-9 भिलाई हनुमान मंदिर में भी सोने का टीका अर्पित किया है। बहुप्रतिक्षित बैकुंठ धाम में उन्होंने अपनी पुस्तैनी जमीन बेंच कर सूर्यकुण्ड तालाब का निर्माण करवाया। जिससे न केवल आसपास के क्षेत्र की रौनक बढ़ी बल्कि यहां का वाटर लेबल बढ़ने से पाईप लाईन बिछा कर लोगों तक घरों तक जल आपूर्ति भी संभव हो सकेगी।

बीएसपी साइकिलिंग क्लब ने शुरू किया फिट इंडिया कैंपेन, संडे ऑन साइकिल में जुटे सैकड़ों लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित संडे ऑन साइकिल अभियान कि तहत इस्पात नगरी भिलाई में बीएसपी साइकिलिंग क्लब, साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ एवं ओए-बीएसपी के संयुक्त तत्वावधान में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इसमें भिलाई के लगभग 150 से अधिक प्रतिभागियों ने निर्धारित रूट में साइकिलिंग की। इस साइकिल रैली में समाज के सभी आयु वर्ग के बच्चों, महिलाओं एवं पुरूषों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7.00 बजे किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग जिला के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार उपस्थित थे। साथ ही ओए-बीएसपी के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, महासचिव परविन्दर सिंह, साइकिलिंग एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के संरक्षक विनोद खांडेकर, महासचिव चन्नावार, भारतीय खेल प्राधिकरण से पर्यवेक्षक पंकज पाण्डेय एवं परमजीत सिंह, दुर्ग साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव देवप्रकाश वर्मा, कोषाध्यक्ष प्रशांत देशमुख, एनआईएस के कोच प्रतीक मनोदिया, बालोद साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक जायसवाल तथा बड़ी संख्या में बीएसपी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस मौके पर ओए अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने वर्तमान परिवेश में साइकिलिंग की महत्ता व दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को बढ़ाने हेतु सामूहिक प्रयास किये जाने पर जोर दिया। साइकिलिंग करना न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है वरन् पर्यावरण का संरक्षण भी निहित है। उन्होंने कहा कि भिलाई के बुद्धिजीवी सदैव इस प्रकार के भागीरथी प्रयासों में शामिल रहते हैं तथा समाज को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी प्रयासों में अपना सहयोग प्रदान करते हैं। इन प्रयासों में भिलाई इस्पात संयंत्र हमेशा आग्रणी रहा है।

कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि विजय बघेल, सांसद दुर्ग उपस्थित रहे। उन्होंने भिलाई के सभी रहवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागृत होने का आव्हान किया और उन्होंने कहा कि फ्रिट इंडिया ही हिट इंडिया हो सकता है। उन्होंने बच्चों से किसी भी खेल में शामिल होकर अपने शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का आव्हान किया।

सांसद महोदय ने कहा कि आफिसर्स एसोसिएशन भिलाई इस्पात संयंत्र अपने अधिकारियों के हितों को ध्यान में रखने के साथ-साथ पूरे भिलाई समाज के लिए हितकारी कार्यों को भी बढ़ावा देता है। पवन कुमार कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) ने सभी भिलाईवासियों से अधिक से अधिक साइकिलिंग करने का आव्हान किया जिससे न सिर्फ वे स्वस्थ रहेंगे अपितु वे अपने आसपास के वातावरण और स्थलों को भी जान पाएंगे। एक बेहतर जीवन के लिए व्यक्ति के जीवन में खेल का समायोजन होना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन ओए महासचिव परविन्दर सिंह के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि दिनांक 25.05.2025 दिन रविवार को साइक्लोथॉन कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद प्रेषित किया और कार्यक्रम का आतिथ्य स्वीकार करने हेतु विजय बघेल, सांसद दुर्ग, जितेन्द्र कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक, दुर्ग एवं पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक, बीएसपी का विशेष रूप से आभार प्रदर्शित किया। उन्होंने सभी साइकिल सवारों व सुरक्षा व्यवस्था हेतु ट्रैफ्रिक पुलिस को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

आकस्मिक हृदयाघात पर परिचर्चा : विशेषज्ञों ने बताया क्या है कारण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कलामंदिर में रविवार को डीएम कॉर्डियोलॉजिस्ट द्वय डॉ सुलभ चंद्राकर तथा डॉ गौरव त्रिपाठी की अगुवाई में आकस्मिक हृदयाघात पर परिचर्चा आयोजित की गई। भारत विकास परिषद, जैन मिलन व जैन ट्रस्ट, सेक्टर 06 तथा न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस परिचर्चा में आकस्मिक हृदयाघात के मामलों खास कर युवाओं में इस तरह के बढ़ते मामलों के संभावित कारणों, सावधानियों तथा बचाव के उपायों को दोनों हृदयरोग विशेषज्ञों ने प्रभावी तरीके से रखा। साथ ही हृदयघात की आपातकालीन स्थिति में मरीजों और आकस्मिक हृदयाघात के कारण मृत्यु से कैसे बचाया जाए, इस पर गहन चर्चा करने के साथ-साथ विषय से संबंधित सवालों के जवाब भी दिए गए।

डॉ सुलभ चंद्राकर ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि अक्सर यह खबर पढ़ने में आता है कि फ्लाने व्यक्ति की नृत्य करने या फिर एक्सरसाइज करने के दौरान मृत्यु हो गई। देखा जाए तो युवाओं की मृत्यु के 80 फीसदी मामले हृदयाघात से जुड़े होते हैं। सवाल ये उठते हैं कि क्या वह स्वस्थ था, क्या उसे पहले से ही कोई परेशानी थी, क्या उसने हृदयरोग के लक्षणों के बारे में कोई संकेत दिया था या रोग जेनेटिक था।

और सबसे बड़ा सवाल क्या उसे बचाया जा सकता था। ऐसे झकझोर देने वाले सवालों के बीच डॉक्टर ने यह भी बताया कि हृदय कैसे काम करता है।

डॉ त्रिपाठी ने बताया सीपीआर का महत्व

डॉक्टर गौरव त्रिपाठी ने चेताया कि हृदयाघात से आचानक मृत्यु भी हो सकती है?। शुरू में जोखिम कम होता है, लेकिन बाद में यह बढ़ जाती है।सभी हृदयरोगियों के लक्षण एक जैसे नहीं होते। किसी मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है तो किसी मरीज के सीने में दर्द होता है। इस रोग के 50 फीसदी व्यक्ति अस्पताल तक भी नहीं पहुंच पाते और घर में ही दम तोड़ देते हैं। किसी व्यक्ति को अटैक आता है तो सीपीआर के माध्यम से उसकी तात्कालिक सहायता भी की जा सकती है। अपने स्तर पर 325 मिलीग्राम वाली गोली चबाकर भी प्राथमिक उपचार किया जा सकता है।लेकिन अस्पताल अवश्य ले जाएं।

शहादत वह कीमत है जो हम आजादी के लिए चुकाते हैं: दक्ष वैद्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिन्द सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सदस्य केंद्रीय मंत्रालय भारत सरकार मंगेश वैद्य के निर्देशानुसार युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य एवं युवा ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री स्वराज मुदलियार के नेतृत्व में भारत माता के अमर सपूत क्रांतिकारी भगत सिंह,शिवराम राजगुरु एवं सुखदेव थापर के शहीदी दिवस पर वतनपरस्ती से लबरेज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कड़ी में देशभक्ति के भाव से भारी विचार गोष्ठी भी आयोजित की गई।

युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य ने समस्त हिन्द सैनिकों को वीर सेनानियों के दिखाए गए मार्गों पर चलने का शपथ दिलाते हुए कहा कि ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी से हमारे देश को आजाद

करने वाले कई क्रांतिवीरों ने अपने सर्वस्व न्योंछावर कर दिया शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव को अंग्रेजों ने 23 मार्च के दिन एक साथ फांसी के फंदे पर लटका दिया था,इन सपूतों ने भारत माता की अस्मिता की रक्षा के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। देश की एकता अखंडता और सुरक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हम युवाओं के ही कंधों पर हैं। युवाओं में ऐसी ताकत,ऐसी ऊर्जा होती है कि वह आसमान का भी सीना चीरकर रख दें, इसलिए युवा अपनी ताकत और ऊर्जा का इस्तेमाल देश के उत्थान एवं नवनिर्माण के लिए करें। युवा ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री स्वराज मुदलियार ने कहा कि बसंती रंग क्रांति का संकेत है,आज हर युवा अपनी रोम-रोम को इस रंग में रंग ले और देश सेवा के लिए आगे बढ़े,देश की एकता अखंडता और सुरक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हम युवाओं के ही कंधों पर है।प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवम शुक्ला ने कहा कि आज की पीढ़ी को आजादी के क्रांति वीरों की जीवन गाथा से जोड़े रखने व प्रेरित करने के लिए उन्हें सही दिशा देने की जरूरत है।

युवा ब्रिगेड महिला सेल विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष सानिया खोखर,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय पाठक, महासचिव ऋषभ पांडे, छात्र ब्रिगेड कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा,उत्कर्ष शुक्ला,आदित्य देशलहरे,स्वतंत्र पटेल ने संयुक्त रूप से विचार रखते हुए कहा कि हमारे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में क्रांतिवीरों के योगदानों का पुन: समावेश जरूरी हो गया है। हिन्द सेना के इस परंपरागत आयोजन के दौरान देशभक्ति का जोशभरा जज्बा देखने को मिला। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गुरप्रीत सिंग,सुनिल सिंह,मिलिंद धनी,बाबू जफर,सुरेश पाटले, वैभव त्रिवेदी, श्रीनु राव, महेंद्र तांडी,करन सोनवानी,मनोज तिवारी, विनोद भारती,पदुम घृतलहरे, दिपक कशयप,भूपेंद्र मानिकपुरी, रजनी भारती,भानुप्रताप घृतलहरे, अमित साहू,दिवाकर सेन, राजेश चौहान,आशीष निर्मलकर, राहुल वर्मा,नेमीचंद साहू, रवि सेन,कुशल साहू,पप्पू साहू नितिन पटेल,अभय टंडन, रमेश विश्वकर्मा, रवि साहू,गोपाल यादव, नितिन वर्मा,संतोष साहू, राहुल देव,प्रमोद मंडावी,दीपक बघेल, टिंकू ठाकुर,वीरेंद्र प्रसाद, देवेंद्र गजभिए,सोमेश महेश्वरी, देव पांडे, अविनाश वर्मा,परमानंद महेश्वरी, आशीष विश्वकर्मा,अनिल मंडारिया, दीपेश देशमुख,राजेश माने, चंद्रशेखर प्रसाद सहित हिन्द सैनिक एवं क्षेत्रवासी उपास्थि थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

22वें डीआरएम कप क्रिकेट ऑपरेटिंग विजेता, इंजीनियरिंग उप विजेता

रायपुर। डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में 22वें डीआरएम कप का समापन विजेता उप विजेता व खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण के साथ मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने किया वे समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

25 फरवरी से प्रारंभ इस में डीआरएम कप में रायपुर रेल मंडल के विभिन्न विभागों की 20 टीमो ने भाग लिया कुल 48 मैच खेले गए । लीग व नॉक ऑउट पदत्ति से खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में नॉक ऑउट दौर से मैच खेले गए 19 मार्च, को महिला कर्मचारियों एवं रेलवे पुरुष कर्मचारियों की टीमों ने फाइनल मुकाबला खेला गया। पुरुष वर्ग में फाइनल मुकाबला ऑपरेटिंग व इंजीनियरिंग के मध्य खेला गया। एक बहुत ही रोमांचक मुकाबले में ऑपरेटिंग ने इंजीनियरिंग को चार विकेट से हरा कर 22 सालों में पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंजीनियरिंग ने निर्धारित 12 ओवरों में सिर्फ71 रन ही बना सकी। ऑपरेटिंग की सधी हुई गेंदबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण से इंजीनियरिंग के विकेट लगातार अंतराल में गिर रहे थे जिसके चलते उनका एक बड़ा लक्ष्य खड़ा करने का सपना टूट गया। लेकिन इंजीनियरिंग के भी सधी हुई गेंदबाजी के आगे ऑपरेटिंग के बल्लेबाजों को काफी दिक्कत हुई और एक समय 6 ओवरों में 38 के योग पर 6 विकेट गिर गए। सौरभ को उनकी लाजवाब पारी के लिए मैन ऑफद मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। तीसरे स्थान के मुकाबले में इलेक्ट्रिक (ओपी) ने दल्लीराजहरा की टीम को आसानी से हरा दिया। इलेक्ट्रिक(ओ पी) के विश्वदीप को उनके अर्धशतकीय पारी के लिए मैन ऑफद मैच का पुरस्कार दिया गया। महिला कर्मचारियों द्वारा भी डीआरएम -11 एवं एडीआरएम (इन्फ्रा) के मध्य मुकाबला खेला गया जिसमें डीआरएम -11 की टीम विजेता रही।

महिला खिलाड़ियों के लिए महिला कोच की आवश्यकता नहीं, पुरुष ही हैं बेस्ट कोच - बृजभूषण

रायपुर। राजधानी रायपुर पहुँचे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने माना विमानतल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि महिला के साथ महिला कोच होने की गारंटी आप नहीं दे सकते, सिर्फ महिला कोच का ऑप्शन नहीं है, क्योंकि बेस्ट कोच पुरुष ही हैं। उन्होंने कहा कि पांच में से दो कोच महिलाएं होना अनिवार्य है और हर गेम में महिला कोच भी अनिवार्य है, लेकिन आज भी बेस्ट कोच पुरुष ही है।

उन्होंने कहा कि पुरुष वर्ग को उठाकर फेंकने की आप बात कर रहे हैं, ऐसा है तो फिर घर में भी कमरा अलग कर दिया जाए। पुरुषों को अलग ही रख देना चाहिए. वहीं क्रिकेट की तरह रेसलिंग में भी महिलाओं की अलग बॉडी बनाने को लेकर कहा कि वर्ल्ड बॉडी ही ये कर सकती है. खेल इंडिपेंडेंट बॉडी है, इसकी इंटरनेशनल बॉडी जो लागू करेगी वहीं मान्य होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में रेसलिंग के खिलाडियों को सपोर्ट न मिलने को लेकर उन्होंने कहा कि आप मेडल लेकर आएंगे, तब सरकार का ध्यान जाएगा। डिस्ट्रिक्ट लेवल, नेशनल लेवल पर मेडल लाइए. किसी के घर जाकर कोई सपोर्ट नहीं करता।

मातहत कर्मियों से भी कम वेतन पर काम कर रहे आयुर्वेद चिकित्सकः डॉ. दीवान

आयुष चिकित्सकों ने की सम्मान जनक वेतन और भत्ता की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आठ वर्ष से वेतन वृद्धि नहीं होने पर आयुष चिकित्सकों ने शासन से 80से-90 हजार प्रतिमाह वेतन की मांग को लेकर रायपुर, में छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. पतंजलि दीवान ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि छत्तीसगढ़ निर्माण के साथ ही राज्य के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए नक्सल प्रभावित व दूरस्थ अंचलों में जहाँ MBBS चिकित्सक जाने से इंकार करते थे, ऐसी जगहों में सरकार ने BAMS (आयुर्वेद चिकित्सकों) को नियुक्त करके स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से चलाया गया।

आयुर्वेद चिकित्सक दूरस्थ व पहुंचविहीन अंचलों में विगत 20 वर्षों से अनवरत अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस दौरान कई चिकित्सकों की मृत्यु हो गई। कोरोना जैसी महामारी में भी कई आयुर्वेदिक चिकित्सक काल के गाल में समा गए। परन्तु उसके बाद भी आयुर्वेद चिकित्सकों को अनदेखा करते हुए सरकार द्वारा न तो सम्मानजनक मानदेय दिया गया, और न ही आजतक नियमित किया गया। बीजेपी की चुनावी घोषणा में आश्वासन दिया गया था, जिसके तारतम्य में कुछ दिन पहले उनके मानदेय में 10 हजार रुपए की वृद्धि की गई, जबकि आयुर्वेद के रेगुलर फार्मासिस्ट का वेतन 70 से 80 हजार रुपए है। ऐसी स्थिति में संविदा आयुर्वेद चिकित्सकों की मानसकि स्थिति खराब हो रही है।

आयुष चिकित्सकों की मांग है कि शहरीय क्षेत्रों में 80 हजार एवं ग्रामीण क्षेत्रों(अनुसूचित क्षेत्र,आदिवासी क्षेत्र) में कार्यरत आयुष चिकित्सकों को 90 हजार रुपये प्रति माह वेतन दिया जाय। दीवान ने कहा है कि आज सरकार चिकित्सको को सम्मान जनक वेतन नहीं दे रही है , हालात ये है कि उनके मातहत तृतीय वर्ग श्रेणी का वेतन चिकित्सको से अधिक है। फार्मासिस्ट को भी आज 70 से 80 हजार वेतन दिया जाता है और चिकित्सको (अधिकारियों) को, विगत दिनों 10 हजार की वृद्धि पश्चात 50 से 60हजार रुपए वेतन मिल रहा है जो कि शर्मनाक है।

डॉ. दीवान ने कहा हैं कि चिकित्सको को सम्मान जनक वेतन, भत्ता देकर उनके कार्यों का सम्मान किया जाए। छत्तीसगढ़ में विशेषकर बस्तर में आयुष चिकित्सकों की हालत बहुत खराब है। अधिकतर केंद्रों में एक ही चिकित्सक है जो अस्पताल खोलता है और बंद करता है दवाईयों का वितरण दवाईयों की एंट्री ऑनलाइन कार्य एवं दीगर कार्य भी करता है। राज्य एवं केंद्र सरकार की सर्वश्रेष्ठ आयुष योजना स्वर्णप्रासन योजना का अधिकतर लोगों को लाभ मिल रहा है इसके बाद भी अधिकांश चिकित्सक लोगों को निरोग करते करते स्वयं बीपी शुगर एवं हार्ट की बीमारियों की शिकार हो गये हैं। डॉ. दीवान ने संघ की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी से आयुष चिकित्सकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए वेतन वृद्धि देने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि संविदा नियुक्ति पर कार्यरत आयुष चिकित्सकों के सामने अधिक आयु होने के कारण परिवार को पालने के लिए आजीविका का और कोई साधन नहीं बचा है ऐसी स्थिति में आमजनों की सेवा करने वाले आयुष चिकित्सकों की भूमिका समाज के प्रति दोहरी जिम्मेदारी के साथ बढ़ गई है जिस पर छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री को ध्यान देने की मार्मिक अपील हैं ।

वही सृजन करता है जिसमें ईश्वरीय शक्ति होती है : अबिनाश मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हीरा सिरामिक फाउंडेशन, कुरुद द्वारा प्रतिवर्ष हो रहे अंतरराष्ट्रीय सिरामिक उत्सव नगाड़ा 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सिरामिक उत्सव में कलाकारों के द्वारा बनाई गई अदभुत कलाकृति को देख कर तथा उसके पीछे कलाकारों की मेहनत को देख कर भाव विभोर हुए। उन्होंने कहा कि कलाकार सृजनकर्ता होता है वो अपनी कल्पना को आकार देता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिनमें ईश्वरीय शक्ति होती है वहीं सृजन कर सकता है। उन्होंने कलाकारों को यह आश्वासन भी दिया कि आने वाले समय में इस प्रकार के आयोजनों को हर संभव सहायता प्रशासन की ओर से दिलाने का प्रयास उनके द्वारा किया जायेगा। जिला पंचायत धमतरी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव और अनुविभागीय अधिकारी कुरुद नभसिंह कोसले ने भी देश विदेश से आए कलाकारों से उनकी कला के विषय में विस्तार से जाना। नवोदित कलाकारों की कला के प्रति समर्पण भावना को देख अतिथिगण अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने इस सुन्दर आयोजन के लिए आयोजकों तथा सभी कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिरामिक उत्सव का उद्घाटन नगर पंचायत कुरूद की अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकार तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नीरज चन्द्राकार मनोज त्रिपाठी स्वराज सिंह कलशी के कर कमलों द्वारा किया गया था। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिरामिक कार्यशाला में अमेरिका, इजराइल सहित गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 22 से अधिक ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने भागीदारी की थी। युवा कलाकारों को प्रोत्साहन हेतु प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह उत्सव को नित नए आयाम को प्राप्त कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ काम करते युवा कलाकार नई तकनीक की जानकारी प्राप्त करके अपने काम को नई दिशा देने मे सफल रहे हैं। वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम और चर्चा का मौका पाकर युवा कलाकार ने तत्कालीन समय में हो रही घटनाओं की भी जानकारी प्राप्त की थी।

कार्यशाला के दुसरे दिन कलाकारों ने अपनी सृजनशक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। कलाकारों ने साथ में वक्त बिताया। साथ में रहना, एक साथ भोजन इत्यादि करना तथा शाम के समय वरिष्ठ कलाकारों के द्वारा अपने अपने संस्मरण बता कर सभी का ज्ञानवर्धन भी किया जाता था। कार्यशाला के अंतिम दिन अमेरिका से भारत कला की भारतीय विधा सीखने आए कलाकार डेनिस स्टीलवेल और इजराइल में निवासरत भारतीय मूल के कलाकार चंचल बंगा ने कला की अपनी शैली प्रदर्शन डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से किया। ऐसे ही भुवनेश्वर से आए हुए कलाकार सरोज राउत ने अपने काम के बारे में विस्तार से बताया।

तीन दिन तक चली इस कार्यशाला में कलाप्रेमी स्थानीय गणमान्य नागरिक योगेन्द्र त्रिपाठी, हुकुम वर्मा और अनंत साहू ने उपस्थित रहकर कलाकारों के साथ कार्यशाला का आनंद उठाया था। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिरामिक कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों में प्रमुख रूप से बड़ौदा गुजरात से कृष्ण पडिया, सुश्री दीपा पंत, महाराष्ट्र से मुकुन्द जेठवा, उड़ीसा से सरोज राउत, उत्तर प्रदेश से प्रेम शंकर प्रसाद, सुश्री डॉ. लकी टांक, सुश्री पल्लवी सिंघ, राजस्थान से पवन शर्मा, मध्य प्रदेश से दिव्या पोरवाल, छत्तीसगढ़ से डॉ. छगेन्द्र उसेंडी, विजया त्रिपाठी, सुश्री राखी गुप्ता, युगल किशोर, हूमन चक्रधारी ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला के संयोजक चिरायु सिन्हा और सहसंयोजक सुश्री देशना जैन ने कार्यशाला में कलाकारों को बेहतर वातावरण देने का प्रयास किया उन्हें आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास किया साथ ही कार्यशाला में उनके द्वारा भी अपनी कला का प्रदर्शन किया गया तथा सबसे महत्वपूर्ण छत्तीसगढ़ की स्थानीय संस्कृति से मेहमानों को परिचित कराने का प्रयास भी उनके द्वारा किया गया। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है होली के समय छत्तीसगढ़ के हर गली मोहल्ले में नगाड़ा बजाकर उत्सव मनाने की संस्कृति है।

इस कार्यशाला का आयोजन भी हर साल होली के तुरंत बाद किया जाता है तथा इसका नाम भी नगाड़ा उत्सव रखा जाता है। इस आयोजन में जिले के कुछ प्रभावशाली व्यक्ति जिनकी कला के क्षेत्र में विशेष रूचि है जैसे कुरूद के प्रतिष्ठित इमरान बेग, कैलाश शुक्ला, शिवप्रताप ठाकुर, अखिलेश दास वैष्णव सहित धमतरी के कविंद्र जैन तथा कुरुद के कलाप्रेमी व्यक्तियों एवं परिवार के सहयोग ने इस उत्सव मे इंद्रधनुषी रंग भरने का कार्य किया। प्रदेश के अन्य स्थानों से भी कलाप्रेमियों ने यहां आकर कलाकारों से मुलाकात की उनके काम को देखा और सराहा। आने वाले समय में यह आयोजन और अधिक भव्य होगा और क्षेत्र में कला को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा ऐसा विश्वास सभी ने व्यक्त किया।

26 मार्च से तीन दिवसीय मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम करेंगे शुभांरभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कृषक उत्पादक संगठनों के गठन एवं गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 26 से 28 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय कृषक उत्पादक संगठन (एफपी.ओ.) मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के कृषि मंडपम् में आयोजित इस तीन दिवसीय एफपी.ओ. मेला सह प्रदर्शनी का शुभारंभ 26 मार्च, 2025 को प्रात: 11 बजे कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में धरसींवा विधायक, अनुज शर्मा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू, महापौर रायपुर नगर निगम मीनल चौबे उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कृषक उत्पादक संगठन मेला सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के 45 कृषक उत्पादक संगठन शामिल होंगे। मेले में शामिल कृषक उत्पादक संगठनों के उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया जाएगा। इस दौरान एफपी.ओ. के संचालन के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस एफपी.ओ. मेला सह प्रदर्शनी में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी, प्रगतिशील कृषक एवं कृषि से संबंधित एफपी.ओ. के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर जन-सामान्य हेतु मेला सह प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जएगा जिसमें एफपी.ओ. के उत्पादों को क्रय भी कर सकेंगे।

एफपी.ओ. मेले में विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे सुगंधित चावल - विष्णुभोग चावल, देवभोग चावल, जीराफूल चावल, तुलसी मंजरी चावल, ब्लैक साईस, रेड साईस, ग्रीन साईस, ब्राउन साईस, एचएमटी चावल, कोदो चावल, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर,मशरूम बड़ी, मशरूम पापड़, मशरूम पाउडर, मशरूम अचार, महुआ लड्डू, शहद, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी, तेल (सरसों का तेल, शीशम तेल और मूंगफल्ली का तेल), मल्टीग्रेन आटा, रागी का आटा, चावल का आटा, कॉन्सेंट्रेट, हनी बी वैक्स, लिप बाम, फुट क्रीम, हर्बल साबुन, मोरिंगा पाउडर, फिनाइल, दालें, अरहर दाल, उड़द दाल, मसूर दाल, लाखड़ी दाल, पोहा, ज्वार, बाजरा, सफेद तिल के बीज का आटा, कुमकुम, हल्दी रोली, बेरी बिस्कुट, आम का अचार, कटहल का अचार, आंवला अचार, बांस का अचार, नींबू अचार, मिर्च अचार, हल्दी अचार, मिक्स अचार, चना दाल, सरसों, काजू, इमली, अमचूर लड्डू, गुड़, चीनी, गुड़ कैंडी आदि आम जनता हेतु प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रेरा, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट की गाइडलाइन धज्जियां उड़ा रहे है बिल्डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रेरा, सुप्रीमकोर्ट, हाईकोर्ट की गाइड लाइन धज्जियां उड़ाते हुए कानून कायदे को ताक में रखकर बिल्डर अपनी मनमानी पर उतर आए है। एक्सप्रेस -वे की ओर जानबूझ कर मेन गेट बनाया गया है ताकि लोगों को आकर्षित कर उस कालोनी का मकान, फ्लैट ज्यादा से ज्यादा दाम पर बेचकर मुनाफा कमाया जा सके, लेकिन यह सोच का विषय है कि इस कालोनी की मेनगेट एक्प्रेस-वे में खुलने से आए दिन हादसे होते रहेंगे। जिस पर रेरा, शासन - प्रशासन को कड़ा निर्णय लेना होगा ताकि यह कालोनी जनहानि का सबब न बन जाए।

एक्सप्रेस हाईवे पर बहुचर्चित रामा ग्रीन्स की बड़ी और बहु चर्चित आवासीय कॉलोनी का भव्य गेट का निर्माण लोगों की शिकायत के बाद भी निरंतर तीव्र गति से चालू है। देर-सबेर साइड रोड देकर नियमों के विपरीत एक्सप्रेस-वे पर दरवाज़ा खोलने की कोशिश की जा रही है। ग़ौरतलब है कि विगत कुछ दिन पहेले एक्सप्रेस-वे की दीवाल तोडक़र बहुचर्चित आवासीय कॉलोनी रामा ग्रीन्स को आने-जाने के लिए रास्ता दे दिया गया था, जो नियम विरुद्ध था।

जन प्रतिनिधियों और लोगों ने रास्ता खोले जाने का जमकर विरोध किया। मीडिया में विरोध सामने आने के बाद PWD विभाग कुंभकर्णी नींद से जागा और वहां पे कांक्रीट की बाउंड्रीवाल बनाकर रास्ते को बंद कर दिया, लेकिन ये सिर्फ दिखावे के लिए की कार्रवाई लगती है। अवैध तरीके से साइड में रोड बनाकर रामा ग्रीन्स को रास्ता देने की गुपचुप तैयारी की जा रही है। बाउंड्रीवाल बनाने के बाद भी कालोनी के भव्य गेट का निर्माण जिस गति से जारी है उससे बिल्डर और प्रशासन की सांठगांठ साफनजर आता है आने वाले दिनों में गेट का उद्घाटन किसी भी बड़े पदाधिकारी द्वारा किया जा सकता है।

वास्तविकता यह है कि रामा ग्रीन्स ने ले आउट पास कराते समय कॉलोनी रोड की तरफ से रास्ता अनुमोदित कराया है और दूसरा रास्ता अमलीडीह की ओर से आता है, लेकिन रायपुर के कई बड़े बिल्डरों द्वारा फायदा उठाते हुए स्थानून कायदों को ताक में रखकर एक्सप्रेस-वे की ओर बड़ा विशाल गेट खोलने की योजना है। चर्चा यह भी है कि ये बड़ा बिल्डर व राजनीतिक पहुंच होने के कारण सारे बड़े और पहुँच वाले अधिकारी रामा ग्रीन्स में मकान-बंगला लेने के लिए आतुर रहते हैं और वही अधिकारी रामा ग्रीन्स बिल्डर के अनैतिक और अवैध कार्यों को अनदेखा करते हैं और किसी प्रकार की लेआउट में नाप जोख नहीं होनेऔर शासकीय भूमि दबाने की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करते। बड़े बिल्डरों के खिलाफ ऐसी शिकायतों की जिला न्यायालय, कलेक्टर और तहसील आफिस में अंबार लगा हुआ है। चर्चा यह भी है कि बड़े बिल्डरों से लगना छोटे मोटे नेताओं का काम नहीं है और किसी भी मीडियाकर्मी को फोटो भी नहीं खींचने दिया जाता। जनता से रिश्ता ने जब रामा ग्रीन्स में हो रहे इस निर्माण की वीडियो बनाने की कोशिश की तब गार्ड ने फोटो खींचने और वीडियो बनाने से रोक दिया और धमकी भी दी।

विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार, सीएम ने दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित साहित्यकार, उपन्यासकार एवं कवि विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार सम्मान की घोषणा पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरव का क्षण बताया और कहा कि शुक्ल जी ने छत्तीसगढ़ को भारत के साहित्यिक मानचित्र पर गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विनोद कुमार शुक्ल का साहित्य विचारों और संवेदनाओं का अद्वितीय संगम है, जो जनमानस को छूता है। उनकी रचनाओं में गहराई, मौलिकता और मानवीय सरोकारों की झलक मिलती है। उनका रचना संसार छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू को भारत के कोने-कोने में पहुंचाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानपीठ जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित होना न केवल उनके सृजन की पहचान है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक वैभव की भी मान्यता है।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में बच्चों में धर्म के साथ सेवा-दया -करुणा का बीजारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में भगवान महावीर स्वामी 2624वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत भीषण गर्मी की संभावना देखते हुए मूक पक्षियों के दाना पानी के लिये दाना फीडर व सकोरा वितरण किया गया। प्रात: पूजन करने आए बच्चों को धर्म के साथ ही सेवा दया करुणा की शिक्षा दी गई सभी बच्चों ने दाना फीडर सकोरा घर ले जाकर गर्मी भर मूक पक्षियों की सेवा का संकल्प लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि मूक पक्षियों के लिए आधुनिक दाना पानी फीडर व प्लास्टिक सकोरे का वितरण आरंभ किया गया। जिसे घर की छत पर या बाल्कनी में आसानी से रखा व टांगा जा सकता है और स्वच्छता के साथ पक्षियों के दाना पानी दिया जा सकता है । ट्रस्टी नीलेश गोलेछा व टीकम जैन ने बताया कि 25 मार्च से सार्वजनिक पशु आहार गौशाला में घुमन्तु पशुओं के लिए हरी सब्जियां व चारा वितरण पखवाड़े का आरम्भ किया जावेगा । यहाँ पर आसपास क्षेत्र के सैकड़ों घुमन्तु पशु प्रात: 6 बजे से 9 बजे तक स्वत: आते हैं व उनके लिए प्रतिदिन चारे की व्यवस्था रखी जाती है। अमर बरलोटा ने बताया कि महावीर जन्मकल्याणक के अवसर पर प्रथम चरण में 100 नग दाना फीडर गुजरात से मँगाए गए हैं। ये आकर्षक व सुविधाजनक हैं, जिसका स्वच्छता के साथ उपयोग किया जा सकता है तथा इसमें रखे दाने खराब भी नही होंगे। इसके साथ में पानी रखने के लिए वॉटर फ़ीडर व प्लास्टिक के सकोरे वितरित किए जावेंगे। जिन्हें छत पर , बाल्कनी में या गार्डन में रखा जा सकता है। ट्रस्टी राजेश सिंघी व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि 5 अप्रेल को भैरव सोसायटी व आसपास की कॉलोनी में घरों के सामने रखने हेतु कोटना लगाने रहवासियों को प्रेरित किया जावेगा, जिससे घरों में बचने वाली खाद्य सामग्री का उपयोग हो सके व गर्मियों में गाय, सांड़, कुत्तों के लिए पीने का पानी सुलभ हो सके। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट द्वारा विनय मित्र मण्डल के सहयोग से पैर कटे दिव्यांगों को जयपुर पैर का वितरण 3 अप्रैल से किया जावेगा।

एक्ट्रेस एकता कपूर ने साधा अनुराग कश्यप पर निशाना, दूसरों को दोषी मत ठहराओ, अपना पैसा लगाओ और फिल्म बनाओ

निर्माता एकता कपूर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निर्देशक अनुराग कश्यप पर निशाना साधा है। फिल्मों को लेकर निर्देशक को एक जरूरी सलाह भी है। बड़े परदे पर हिट का वनवास खत्म करने के लिए बेकरार रहे अभिनेता, निर्माता, निर्देशक अनुराग कश्यप का दावा है कि वह मुंबई छोड़ चुके हैं। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' को उनकी आखिरी हिट फिल्म माना जाता है। इसे बनाने वाले स्टूडियो के खाते में ये फ्लॉप फिल्म है। इन दिनों वह ओटीटी पर खतरनाक तरीके से गुस्सा हैं।

नेटफ्लिक्स के लिए बनी पहली हिंदी सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' के दिनों की याद करते हुए वह सोशल मीडिया पर इसी ओटीटी को खूब खरी खरी सुनाते रहे हैं लेकिन अब जाकर फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इस पूरे विवाद की गर्दन गुद्दी से पकड़ी है। एकता कपूर का कहना है कि जिसे भी स्टूडियोज या ओटीटी से दिक्कत है, उसे अपने खुद के पैसे से कलात्मक फिल्में बनानी चाहिए और इस विवाद को यहीं खत्म कर देना चाहिए।

कथित रूप से अपनी कहानियों को नकारे जाने के बाद से अनुराग कश्यप नेटफ्लिक्स पर बुरी तरह गुस्सा हैं। लॉस एंजेलिस दफ्तर में काम करते रहे एरिक बामराक से जान पहचान के चलते विक्रमादित्य मोटवानी वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' बनाने का काम लेकर जब आए थे, तब से लेकर अब तक की सारी कहानी अनुराग ने अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिख डाली है। साथ में नेटफ्लिक्स के तमाम वैश्विक अधिकारियों को भी इस पोस्ट में खूब भला बुरा कहा है। ये सारी बातें उन्होंने अपनी उस पोस्ट के जवाब में लिखीं, जिसमें उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'एडोलेसेंस' की जमकर तारीफ की। इस सीरीज का हर एपिसोड सिंगल शॉट में फिल्माया गया है।

निर्माता एकता कपूर ने भी मामला इसी 'एडोलेसेंस' से पकड़ा है। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में वह लिखती हैं, भारत में मनोरंजन सामग्री अभी विकास के दौर से गुजर रही है और कह सकते हैं कि ये अभी 'एडोलेसेंस' स्टेज में है। जब भारतीय रचयिता इस बात का रोना रोते हैं कि भारतीय मनोरंजन सामग्री वैश्विक स्तर की नहीं है तो अचरज इस बात पर होता है कि ये उनके अहं का गुस्सा है या कि लोगों पर साधा गया गलत निशाना?

शादी के 8 महीने बाद मां बनीं 'पवित्र रिश्ता' एक्ट्रेस श्रुति, बेटे को दिया जन्म

छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रुति कंवर के घर किलकारी गूंजी है। एक्ट्रेस ने शादी के आठ महीने बाद ही बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की। वहीं पोस्ट में श्रुति ने बेटे के नाम का भी खुलासा कर दिया है। साल 2024 में कई एक्ट्रेसेस ने शादी रचाई थी और इस साल कई एक्ट्रेस अब तक मां बनी हैं। वहीं पिछले साल अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत करने वाली एक और एक्ट्रेस के घर अब किलकारी गूंजी है। छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रुति कंवर ने बच्चे को जन्म दिया है। श्रुति ने खुद के मां बनने की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने शादी के आठ महीने बाद ही फैंस को गुड न्यूज सुनाई है। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। साथ ही एक्ट्रेस ने ये खुलासा भी कर दिया कि उन्होंने बेटे का नाम क्या रखा है? तो चलिए जानते हैं मां बनने पर श्रुति ने किस तरह खुशी जाहिर की है।

श्रुति कंवर की शादी जुलाई 2024 में ही हुई थी। अब उनके घर नन्हां मेहमान आया है। अभी उनकी शादी को 9 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। श्रुति कंवर ने इंस्टाग्राम पर मां बनने की गुड न्यूज शेयर की। एक्ट्रेस ने लिखा, हमारे बेटे के आगमन पर हमारा दिल प्यार से भर गया है। एक्ट्रेस के मां बनने पर फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं।

बेटे का रखा ये यूनिक नाम

श्रुति कंवर ने पोस्ट में बेटे के नाम का भी खुलासा किया है। उन्होंने आगे लिखा, दुनिया में आपका स्वागत है अशर। श्रुति ने फरवरी 2025 में ही बताया था कि वो मां बनने वाली हैं। उन्होंने बेबी बंप की तस्वीरें शेयर करके जानकारी दी थी कि वो प्रेग्नेंट हैं। जबकि अब मार्च में उन्होंने बेटे का वेलकम किया है।

जुलाई 2024 में की थी शादी

श्रुति कंवर ने जुलाई 2024 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड अनिंद्य चक्रवर्ती से शादी रचाई थी। जिस दिन (12 जुलाई 2024) अनंत अंबानी और राधिका मर्चेन्ट शादी के बंधन में बंधे थे, उसी दिन श्रुति और अनिंद्य ने भी अपने जीवन की इस नई पारी का आगाज किया था। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें भी पोस्ट की थीं।

श्रुति ने इन शोज में किया काम

श्रुति कंवर का जन्म 21 अगस्त 1991 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था। 33 वर्षीय श्रुति ने 'पवित्र रिश्ता' सीरियल से पहचान बनाई है। इसमें उन्होंने 'ओवी' नाम का किरदार निभाया था। इसके अलावा एक्ट्रेस ने 'डोली अरमानों की' और 'क्राइम पेट्रोल' में भी काम किया है।

पवन सिंह और नम्रता मल्ला का नया सॉन्ग 'कमर दबादी' मचा रहा तहलका

भोजपुरी स्टार पवन सिंह का नया गाना कमर दबादी सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा। सॉन्ग पर यूजर्स के रिएक्शन आ रहे हैं। इस गाने को पवन के अलावा शिल्पी राज ने गाया है। भोजपुरी स्टार पवन सिंह और सिजलिंग स्टार नम्रता मल्ला का नया गाना कमर दबादी सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है।

ये सॉन्ग रिलीज होते ही इंटरनेट पर वायरल होने लगा। 24 घंटे से भी कम समय में यह यूट्यूब ट्रेंडिंग में 5वें नंबर पर आ गया है। सॉन्ग पर ताबड़तोड़ लाइक्स एंड कमेंट्स आ रहे हैं। सॉन्ग में पवन सिंह और नम्रता की केमेस्ट्री कमाल लग रही है। सॉन्ग को खासकर युवा ज्यादा पसंद कर रहे हैं। चलिए आपको बताते हैं कि यूजर्स सॉन्ग को लेकर क्या कह रहे। पावर स्टार पवन सिंह का सॉन्ग कमर दबादी यूट्यूब पर जारी किया गया है। गाने को पवन के अलावा शिल्पी राज ने गाया है और इसके बोल रौशन सिंह विस्वाश ने लिखा हैं। इसके संगीतकार सरगम आकाश है और निर्देशक दीपांश सिंह हैं। सॉन्ग की कोरियोग्राफी गोल्डी जयसवाल और सनी सोनकर ने किया है। अबतक गाने पर 1942587 व्यूज आ गए हैं और ये तेजी से बढ़ रहा है। सॉन्ग पर कमेंट करते हुए एक मीडिया यूजर ने लिखा, आज रिकॉर्ड बना दो। एक यूजर ने लिखा, यह गाना 300 मिलियन पर हो जाना चाहिए भाई लोग। एक यूजर ने लिखा, कब से इंतजार था पॉवर स्टार पवन सिंह के सॉन्ग का। फाइनली आ गया। जियो शेर।

पवन सिंह ने कही ये बात

पावर स्टार पवन सिंह ने अपने नए गाने कमर दबादी के बारे में कहा, ये सॉन्ग युवाओं के लिए बनाया गया है और इसकी धुन, बीट्स युवाओं को पसंद आएगा। ये सॉन्ग युवाओं के लिए मस्ती भरा ट्रीट है। सिंगर ने कहा कि इस गाने के जरिए फ्रेशनेस और नयी एनर्जी लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि दर्शकों के ये पसंद आएगी।

बिपाशा और करण की तरह 'जिम प्रेमी' बनी 'देवी'

फिल्म अभिनेत्री बिपाशा बसु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आए दिन उनके पोस्ट फैंस को दीवाना बना देते हैं। बिपाशा जो कि फिटनेस के मामले में काफी जागरूक हैं अब उनके नक्शे कदम पर उनकी बेटी भी चल पड़ी है। दरअसल, बिपाशा ने अपनी बेटी की जिम जाने की पहली झलक फैंस के साथ साझा की है।

फिल्म अभिनेत्री बिपाशा बसु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आए दिन उनके पोस्ट फैंस को दीवाना बना देते हैं। बिपाशा जो कि फिटनेस के मामले में काफी जागरूक हैं अब उनके नक्शे कदम पर उनकी बेटी भी चल पड़ी है। दरअसल, बिपाशा ने अपनी बेटी की जिम जाने की पहली झलक फैंस के साथ साझा की है। बिपाशा ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में अपनी नन्ही बेटी की एक झलक दिखाई है। वीडियो की शुरुआत बिपाशा और देवी के जिम में प्रवेश करने से होती है। पिता और बेटी की जोड़ी जिम में मस्ती करते हुए भी नजर आए।

बिपाशा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, अपने बच्चे को शनिवार को जिम ले जाएं। वह मम्मा और पापा की तरह जिम प्रेमी है। पिछले सप्ताह बिपाशा ने करण और देवी की एक तस्वीर शेयर की थी। जिसमें पिता और बेटी काफी शानदार लग रहे थे। बिपाशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मनमोहक वीडियो शेयर किया है, जिसमें करण अपनी बेटी के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। बिपाशा को देवी की अपने पिता के साथ प्यारी-प्यारी बातें सुनकर हंसते हुए सुना जा सकता है।

छोटी बच्ची अपने पिता के साथ खेलती हुई नजर आई, जबकि उनके पिता ने उसे अपनी बाहों में उठा रखा था। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए बिपाशा ने लिखा, माई लाइफ। बिपाशा अक्सर अपनी बेटी के साथ ऐसे अनमोल पलों को अपने फैंस के साथ साझा करती हैं।

बिपाशा और करण की पहली मुलाकात 2015 में आई हॉरर फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। एक साल की डेटिंग के बाद, अप्रैल 2016 में एक निजी समारोह में लव बर्ड्स ने शादी कर ली। 12 नवंबर, 2022 को उनके घर बेटी का आगमन हुआ। काम की बात करें तो बिपाशा ने आखिरी बार भूषण पटेल की वेब सीरीज डेंजरस में काम किया था। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने अपने पति करण सिंह ग्रोवर के साथ अभिनय किया था।

बेटी दुआ को छोड़ अब जल्द काम पर लौटेंगी दीपिका पादुकोण

इस फिल्म से करेंगी श्री गणेश!

दीपिका पादुकोण साल 2024 में सितंबर से पहले ही मेटर्निटी ब्रेक पर चली गई थीं। इसके बाद से अभी तक उन्होंने कोई शूटिंग शुरू नहीं की है। बेटी दुआ को छोड़ अब जल्द काम पर लौटेंगी दीपिका पादुकोण, इस फिल्म से करेंगी श्री गणेश!

दीपिका पादुकोण फिलहाल मैटरनिटी ब्रेक पर हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था जो दिवाली, 2024 में रिलीज हुई थी। एक्ट्रेस ने फिल्म के प्रमोशन को छोड़ दिया क्योंकि वह प्रेग्नेंट थीं। उन्होंने सितंबर 2024 में बेटी को जन्म दिया और उसका नाम दुआ रखा। तब से एक्ट्रेस अब जल्द ही काम पर लौटने को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। उनकी अगला बड़ा प्रोजेक्ट कल्कि 2898 ई। है जिसमें अमिताभ बच्चन और प्रभास भी हैं। डायरेक्टर नाग अश्विन ने हाल ही में फिल्म और इसके शूटिंग शेड्यूल के बारे में एक बड़ा अपडेट दिया।

पहले यह बताया जा रहा था कि कल्कि 2898 ई। की शूटिंग 2025 की गर्मियों में शुरू होगी। हालांकि इसमें देरी हुई है। हाल ही में एक इवेंट में नाग अश्विन ने कन्फर्म किया कि मैग्नम-ओपस के सीक्वल की तैयारी चल रही है और शूटिंग दिसंबर 2025 से शुरू होगी। इसका मतलब है कि दीपिका पादुकोण अपने मैटरनिटी ब्रेक को खत्म कर देंगी और दिसंबर में ही किसी फिल्म के सेट पर वापस आएंगी। जब तक कि पाइपलाइन में कोई और फिल्म न हो

नाग अश्विन ने कल्कि 2898 ई। में प्रभास के कम स्क्रीनटाइम पर भी बात की और फैन्स को भरोसा दिलाया कि सीक्वल में उन्हें ज्यादा दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा, दूसरे पार्ट में प्रभास ज्यादा होंगे, क्योंकि यह कर्ण और अश्वत्थामा के किरदारों पर फोकस्ड होगा।

जबकि दीपिका पादुकोण फिलहाल बेटी पर ध्यान दे रही हैं, वह कुछ इवेंट्स में भी नजर आ रही हैं। उन्होंने हाल ही में LV फॉल/विंटर 2025 शो में हिस्सा लिया और अपने खूबसूरत लुक से सभी को चौंका दिया। उन्होंने इस साल फरवरी में सब्यसाची लेबल के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए रैंप वॉक भी किया।

इसके अलावा दीपिका पादुकोण ने हाल ही में पठान 2 की अनाउंसमेंट के साथ सुर्खियां बटोरीं। हाल ही में शाहरुख खान के साथ फिल्म की खबर पर मुहर भी लग गई थी। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म अगले साल ही फ्लोर पर आएगी। शाहरुख खान को अपनी आने वाली फिल्म किंग की शूटिंग पूरी करनी है, जिसके बाद पठान 2 पर काम शुरू होगा।

14 साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर रही खूबसूरत एक्ट्रेस, मां-पिता ने भी किया राज

बॉलीवुड के सुपरस्टार रहे धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। तलाक के बाद अपने करियर पर ध्यान देने वाली ईशा की फिल्म रिलीज हो गई है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर फिल्म 'तुमको मेरी कसम' से वापसी की है। कई सुपरहिट फिल्में देने वाली एक्ट्रेस ईशा देओल फिल्मी परिवार की लाडली हैं। ईशा के पिता धर्मेंद्र और मां हेमा मालिनी सुपरस्टार रही हैं। हालांकि ईशा का करियर उन्हें शोहरत के खास मुकाम तक नहीं पहुंचा पाया है। फिर भी ईशा ने कई हिट फिल्में दी हैं। लंबे समय बाद कमबैक कर रहीं ईशा देओल के भाई बॉबी देओल ने भी कमबैक के बाद स्टारडम के शिखर पर पहुंचे।

2002 में किया था डेब्यू

ईशा देओल ने साल 2002 में आई फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में ईशा ने अपनी एक्टिंग परखी और बॉलीवुड में छा गईं। इसके बाद 'न तुम जानो न हम' फिल्म में भी ईशा को खूब पसंद किया गया। ईशा के खाते में खूब फिल्में आईं और लगातार काम करती रहीं। ईशा ने 2003 में ही फिल्म 'एलओसी: कारगिल' नाम की फिल्म में काम किया और सुपरहिट रहीं। इस फिल्म के बाद ईशा बॉलीवुड की हिट हीरोइन्स में गिनी जाने लगीं। हालांकि ये हिट का तमगा ज्यादा दिनों तक ईशा नहीं संभाल पाईं और फ्लॉप फिल्मों की झड़ी लगने लगी। अब तक अपने करियर में 34 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकीं ईशा देओल ने अपने स्कूल के क्लासमेट रहे भरत तख्तानी से शादी कर ली थी। शादी के बाद दोनों के 2 बच्चे हुए थे जिसके चलते ईशा ने ब्रेक ले लिया था।

तलाक के बाद की वापसी

अब ईशा देओल ने हाल ही में अपने पति भरत तख्तानी से तलाक भी ले लिया है। तलाक के बाद ईशा अब अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। ईशा की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रहीं ईशा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में अपने तलाक और सिंगल मदर होने पर खुलकर बात की है। जिसमें ईशा ने बताया, 'बच्चों के बाद आप सारे फैसले खुद नहीं ले सकते। आपको अपने ईगो को साइड में रखकर बच्चों की खुशी देखनी पड़ती है। मेरे लिए ये हमेशा से मायने रखता रहता है। आगे भी यही होगा। मेरे बच्चों की खुशी से मेरा ईगो छोटा है।'

मां-पिता रहे बॉलीवुड सुपरस्टार

बता दें कि ईशा देओल के मां और पिता दोनों ही बॉलीवुड सुपरस्टार रहे हैं। पिता धर्मेंद्र ने करीब 3 दशक तक एक सुपरस्टार के तौर पर प्रसिद्धि हासिल की थी। धर्मेंद्र के साथ ही काम करने वाली हीरोइन हेमा मालिनी भी अपने समय की सुपरहिट हीरोइन रही हैं। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने फिल्म शोले में साथ में काम किया है। दोनों की जोड़ी को भी लोग काफी पसंद करते थे। बाद में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि धर्मेंद्र पहले से ही शादीशुदा थे और उनके 4 बच्चे थे। धर्मेंद्र की दूसरी शादी से 2 बेटियां ईशा और अहाना हुई थी।

साहित्यकार विनोद शुक्ल से मिले सीएम साय, ज्ञानपीठ सम्मान मिलने पर प्रदेश वासियों की ओर से दी बधाई

सीएम साय ने कहा- विनोद कुमार शुक्ल ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के रायपुर स्थित निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने श्री शुक्ल को ज्ञानपीठ सम्मान की घोषणा पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि आपने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रदेशवासियों की तरफसे श्री शुक्ल का सम्मान करते हुए उन्हें शॉल-श्रीफल तथा बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह नंदी भेंट किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि साहित्य के क्षेत्र में आपके विशिष्ट योगदान पर आपको देश का सबसे प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ सम्मान दिए जाने की घोषणा से पूरा प्रदेश गौरवान्वित अनुभव कर रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज खुशी के इस पल में आपसे भेंट करने का मुझे अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल का कुशल क्षेम पूछते हुए उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप राजनांदगांव के रहने वाले हैं। राजनांदगांव छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी है। वहां गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ? पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और बलदेव प्रसाद मिश्र जैसे साहित्यकारों ने अपनी साहित्य साधना की है।

मुख्यमंत्री द्वारा राजनांदगांव का जिक्र किये जाने पर श्री शुक्ल ने अपने बचपन के नांदगांव की स्मृतियां उनके साथ साझा की। श्री शुक्ल ने कहा कि मेरा जन्म राजनांदगांव में हुआ। बचपन का वह नांदगांव आज भी मेरे मन पर छाया हुआ है। मैं आज भी वहां जाता हूं तो उसी नांदगांव को ढूंढने की कोशिश करता हूं। मगर अब समय के साथ काफी बदलाव आ गया है। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल के परिवारजनों से भी मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानन्द, जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल आदि उपस्थित थे।

जिम्मेदारी को चुनौती मानकर पूरी ऊर्जा और उत्साह से करें काम - अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव नया रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि काम करने का जितना अवसर मिलेगा, उतनी ही आपकी प्रतिभा और क्षमता निखरेगी। यह आगे बढ़ने का पहला सूत्र है। उन्होंने कहा कि आप लोग जिन प्रतिष्ठित पदों पर काम कर रहे हैं, उन पदों पर काम करने का मौका कम लोगों को मिलता है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सम्मेलन में अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा सौंपे गए दायित्वों को पूरी ऊर्जा, शिद्दत और उत्साह के साथ पूर्ण करें। आनंद के साथ काम करने से आपको काम आसान भी लगेगा। उन्होंने सुव्यवस्थित और सुनियोजित दिनचर्या अपनाकर व्यावसायिक व व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाने के साथ ही काम के दौरान उत्साह और प्रसन्नता बनाए रखने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सम्मेलन में अधिकारियों से कहा कि आप लोगों को छत्तीसगढ़ और यहां के लोगों की सेवा का मौका मिला है। अपनी जिम्मेदारियों का पूरी क्षमता से निर्वहन कर राज्य के विकास में और यहां के लोगों के कल्याण में आप लोग महती योगदान दे सकते हैं। उन्होंने लोगों से अच्छा व्यवहार और अच्छी बातचीत रखने को कहा। इससे अच्छा काम करने में मदद मिलती है। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के सम्मेलन में लल्लन टॉप के संस्थापक मशहूर पत्रकार श्री सौरभ द्विवेदी, छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष श्री आशुतोष पांडेय और सचिव श्री संदीप अग्रवाल सहित संघ के अनेक पदाधिकारी और सदस्य सपरिवार मौजूद थे।

भोरमदेव महोत्सव : 26 और 27 मार्च को होगा भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में ऐतिहासिक भोरमदेव महोत्सव की तैयारियां जोरा पर हैं। भोरमदेव महोत्सव 26 और 27 मार्च को आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। भोरमदेव महोत्सव के शुभारंभ व समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित मंत्री व सांसद शामिल होंगे। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि महोत्सव के दौरान दोनों दिवस विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की

उपस्थिति भी रहेगी। इस लिहाज से महोत्सव स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए विशेष मंच निर्माण, आकर्षक साज-सज्जा, रोशनी की उत्तम व्यवस्था और उच्च कोटि के साउंड सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आगंतुकों के बैठने की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महोत्सव के दौरान बॉलीवुड, लोक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां, पारंपरिक नृत्य-संगीत, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और स्थानीय व्यंजनों के स्टॉल मुख्य आकर्षण होंगे।

मैकल पर्वत श्रृंखला की सुरम्य वादियों में स्थित भोरमदेव मंदिर, अपनी अद्भुत शिल्पकला और स्थापत्य के कारण 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' कहा जाता है। यह मंदिर हजार वर्षों से अधिक समय से आस्था, संस्कृति और विरासत का केंद्र बना हुआ है। भोरमदेव महोत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यटन को भी बढ़ावा देने में सहायक है। ऐसे में इस ऐतिहासिक आयोजन को यादगार बनाने के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक पूरी तन्मयता से तैयारियों की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संघ की पत्रिका सेवा शिखर के प्रथम संस्करण का विधिवत विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मुलाकात के दौरान राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की योजनाओं और कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन उन्हीं के माध्यम से धरातल पर संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि जनता तक शासन की नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से

पहुँचाने में इन अधिकारियों की निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही वे मूल्य हैं जो शासन और जनता के बीच की कड़ी को मजबूत करते हैं तथा प्रदेश के विकास को गति प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सेवा शिखर पत्रिका के प्रथम संस्करण के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक सार्थक मंच बताया। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका अधिकारियों को अपने अनुभव, विचार और सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे एक जीवंत और संवादपूर्ण प्रशासनिक वातावरण का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री साय ने राज्य प्रशासनिक सेवा संघ को पत्रिका के प्रकाशन हेतु बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यह पहल सेवा भावना, उत्तरदायित्व और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ सही अर्थों में अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष अजय त्रिपाठी, उपाध्यक्ष उमाशंकर बंदे, कोषाध्यक्ष नवीन भगत, सेवा शिखर पत्रिका के संपादक डॉ. अभिनव मिश्रा सहित अपूर्व प्रियेश टोप्पो, नंद कुमार चौबे, सुश्री अर्चना पाण्डेय, श्रीमती दिव्या वैष्णव, बृजेश क्षत्रिय, डॉ. सुभाष राज, डॉ. धनंजय कुमार नेताम एवं घनश्याम कँवर उपस्थित थे।

40 वें वर्ष की रामनवमी शोभायात्रा में भी शामिल होंगे 1100 से अधिक ध्वजवाहक

राम जन्मोत्सव समिति ने किया ध्वजवाहकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा विगत 39 वर्षों से श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के ध्वजवाहकों का सम्मान समारोह आज आयोजित किया गया। श्रीरामनवमी उत्सव के 40वें वर्ष के अवसर पर गणेश पूजा मंच सेक्टर -2 में आयोजित इस सम्मान समारोह में 1100 से अधिक ध्वजवाहकों और झांकी प्रमुखों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप समिति के संरक्षक व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय उपस्थित रहे। उन्होंने सभी ध्वजवाहकों का अभिनंदन-स्वागत करते हुए कहा कि चार दशकों की इस प्रेरणादायक यात्रा में श्रीराम के जयघोष के साथ भगवा ध्वज को गर्वपूर्वक ऊंचा रखने वाले सभी ध्वजवाहकों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समिति द्वारा एक मुट्ठी दान- प्रभु श्रीराम के नाम अभियान की शुरुआत की गई, जिसमें भक्तों ने अपने घरों से दान प्रदान कर अपनी आस्था और समर्पण व्यक्त किया। यह अभियान 05 अप्रैल तक चलाया जाएगा, जिसमें समस्त

भिलाईवासियों से इस पुण्य अभियान में सहभागी बनने आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव समिति विगत 39 वर्षों से सतत रूप से शोभायात्रा का आयोजन करती आ रही है। इस शोभायात्रा में आज 1100 से अधिक मंदिरों और पूजा स्थलों से भगवा ध्वज लेकर ध्वजवाहक भाग लेते हैं। ये रामभक्त दशकों से श्रीराम के जयघोष के साथ भगवा ध्वज को गर्व से ऊंचा रखते आ रहे हैं। कठिन परिस्थितियों में भी, इन भक्तों के कदम कभी नहीं रुके। आज, चार दशकों की निरंतरता और लगन का परिणाम है कि इतने बड़े स्तर पर रामभक्तों की टोली संगठित हो चुकी है। श्री पाण्डेय ने यह भी कहा कि इन ध्वजवाहकों का सम्मान केवल इसलिए नहीं किया जाता कि वे ध्वजवाहक हैं, बल्कि इसलिए किया जाता है कि वे पूर्ण नियम पालन और निष्ठा के साथ भगवा ध्वज लेकर चलते हैं। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों और रामभक्तों को उनके निरंतर योगदान के लिए साधुवाद दिया, जिन्होंने इस श्रीरामनवमी के आयोजन को चार दशकों से सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

श्री पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि राम का नाम केवल भक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने की प्रेरणा भी है। राम का नाम हमें यह सिखाता है कि समाज के हर वर्ग को एकजुट कर, अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए आने वाली पीढ़ियों तक ले जाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने यह भी बताया कि समिति द्वारा विगत दो वर्षों से चलाए गए एक मुट्ठी दान- प्रभु श्रीराम के नाम अभियान को इस वर्ष भी जारी रखा गया है। इस अभियान की शुरुआत सेक्टर -2 के विभिन्न घरों से अन्न संग्रहित कर की गई। 24 मार्च से इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग ले सकें। श्री पाण्डेय ने भिलाईवासियों की उदारता का उल्लेख करते हुए कहा कि विगत दो वर्षों से इस अभियान के तहत 100 क्विंटल से अधिक अनाज संग्रहित किया गया था, जो समाज में सेवा और समर्पण की भावना को दर्शाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने कहा कि समिति द्वारा इस वर्ष भव्य रूप से 40वें वर्ष श्रीरामनवमी का आयोजन किया जा रहा है। समिति की स्थापना का मुख्य उद्देश्य श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए जनजागरण और धार्मिक विश्वास को बढ़ावा देना था। पिछले 40 वर्षों में समिति ने राम मंदिर निर्माण से लेकर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। समिति का यह प्रयास रहा है कि वे समाज में सनातन धर्म की चेतना और आस्था को और मजबूत कर सकें। इन 40 वर्षों में समिति ने अनेक बाधाओं का सामना किया, लेकिन रामभक्तों की मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने हर कार्य को पूरा किया। उन्होंने कहा कि समिति एक उदाहरण है कि कैसे एक संगठन समाज के हित में कार्य कर सकता है। उन्होंने समाज के युवाओं को भी प्रोत्साहित किया कि वे आगे आएं और इस प्रकार के कार्यों में अपना योगदान दें। श्री पाण्डेय ने 40 वर्षों के इस सफर की सफलता का श्रेय सभी सदस्यों की मेहनत और उनके समर्पण को जाता है। समिति का यह प्रयास रहेगा कि वे आगे भी इसी प्रकार के कार्य करते रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। समिति का यह सफर न केवल धार्मिक जागरूकता का प्रतीक है, बल्कि यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा का भी प्रतीक है।

इस अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति के प्रांतीय अध्यक्ष रमेश माने ने कहा कि आज मध्य भारत के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन के रूप में श्री राम जन्मोत्सव समिति के श्रीरामनवमी उत्सव ने अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। यह समस्त भिलाइवासियों के बहुमूल्य सहयोग एवं हमारे ध्वज प्रमुखों की अगुवाई में सार्थक हुआ है। प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर ने कहा कि श्रीरामनवमी का यह उत्सव करोड़ों देशवासियों के आस्था एवं प्रभु श्रीराम के प्रति अनन्य आस्था का प्रतीक है जो हमारी गौरवशाली सनातन परंपरा को जीवंत रखे है। कार्यक्रम का संचालन समिति के जिला अध्यक्ष मदन सेन ने किया।

जशपुर विकासखंड में तिब्बती कालीन निर्माण प्रशिक्षण शुरू

जशपुरनगर । जशपुर कलेक्टर रोहित व्यास के नेतृत्व एवं मुख्य कार्यापालन अधिकारी अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत जशपुर विकासखंड के बालाछापर महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में 20 मार्च से शुरू की गई है।

चयनित गतिविधियों में से एक कालीन निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के तत्वाधान में एवं जिला खनिज संसाधन न्यास के सौजन्य से करवाया जा रहा है । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 48 दिनों तक चलेगा जिसमें बालाछापर ग्राम पंचायत एवं आसपास के बिहान की स्व सहायता समूह की महिलाएं शामिल है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाएं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण करवाकर तथा रोजगार से जोड़कर उनके आय ने समुचित वृद्धि किया जाना है । इस प्रशिक्षण में बालाछापर , जामटोली इचकेला , रजौटी की महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं । प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत राजेंद्र राजवाड़े , संभागीय प्रबंधक , छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड सरगुजा संभाग द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला जशपुर के सहयोग से दिनांक 20 मार्च से किया गया है । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संभाग स्तरीय प्रशिक्षक श्रीमती चिंतामणि भगत के देख-रेख में किया जा रहा है ।

प्रशिक्षण एवं उत्पादन हेतु सामग्री हस्तशिल्प विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है एवं उत्पादित सामग्री को सीधे तौर पर हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा खरीदने की योजना है। वर्तमान में 20 महिलाओं को मुफ्त प्रशिक्षण के साथ साथ मजदूरी भी प्रदान की जाएगी ।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

एक्सप्रेस-वे पर युवक की लाश मिली, हत्या की आशंका

रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर एक्सप्रेस-वे के नाले में एक युवक की संदिग्ध लाश मिली है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है। प्रथम दृष्ट्या युवक की हत्या कर शव को फेंकने की आशंका जताई जा रही है।

यह मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मृतक के पास से एक यामाहा मोटरसाइकिल (CG 04 PF 5676) भी बरामद हुई है। जिसे घटनास्थल से पुलिस ने जब्त किया है. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए FSL और डॉग स्कॉड की टीम को भी मौके पर बुलाया है।

वहीं पुलिस ने शव की शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की और मृतक की पहचान 25 वर्षीय मेघराज के रूप में की, जो चंपारण का निवासी था. मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की पुष्टि हुई है. फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है. पुलिस हत्या के कारणों और मृतक की पहचान की पुष्टि करने की कोशिश कर रही है।

धान उपार्जन केन्द्र में 94 लाख की गड़बड़ी, 4 के खिलाफ अपराध दर्ज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार के आदेश पर जांच समिति ने धान उपार्जन केन्द्र कोसीर का जांच किया। जांच समिति में प्रकाश पटेल नायब तहसीलदार सारंगढ, विद्यानंद पटेल खाद्य सारंगढ, धनेन्द्र पटेल सुपरवाइजर अपेक्स बैंक सारंगढ, बबली राय वरि.सहा.जिविअ सारंगढ शामिल थे।

धान खरीदी केन्द्र कोसीर में जांच के दौरान 3043.22 क्विंटल धान की कमी, जिसका मूल्य रुपये 94,33,982 (चौरानबे लाख तैतीस हजार नौ सौ ब्यासी रुपये) कमी होना पाया गया है जिसमें कोसीर धान उपार्जन केन्द्र के प्रभारी प्रबंधक सह ऑपरेटर राहूल टंडन पिता विश्राम टंडन फड़ प्रभारी सह बरदाना प्रभारी दिला राम टंडन पिता सुखराम टंडन, प्राधिकृत अधिकारी (अध्यक्ष) सुखराम अंनत पिता शंकर अंनत, धान आवक प्रभारी श्याम कुमार जांगडे पिता प्रेम लाल जांगडे के द्वारा शासन की संपत्ति की चोरी का भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(5), 3(5) का कोसीर थाना में अपराध पंजीबद्ध किया गया है और इस धन राशि को भू-राजस्व की भांति व्यक्तिगत रूप से वसूली किये जाने की अनुशंसा किया गया।

चाकू की नोक पर तहसीलदार से लूट

बालोद। जिला मुख्यालय में तहसीलदार आशुतोष शर्मा से चाकू की नोक पर 6,500 रुपये की लूट की गई। यह वारदात तब हुई जब तहसीलदार अपने घर से पैदल टहलने निकले थे। ऑटो में सवार चार अज्ञात लोगों ने रास्ता पूछने के बहाने उन्हें अपने वाहन में बिठाया और फिर चाकू दिखाकर न केवल नकदी लूटी, बल्कि उनके पर्स में रखे महत्वपूर्ण पहचान पत्र भी ले गए। घटना के तुरंत बाद तहसीलदार ने फोन से बालोद टीआई को सूचना दी और फिर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज की। पुलिस ने ऑटो सवार चार अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ऑटो के नंबर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर जब पीड़ित एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं।

बीजापुर में 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 6 नक्सलियों पर है 11 लाख रुपए का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। बीजापुर पुलिस के सामने इन नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। सरेंडर करने वाले 6 नक्सलियों पर 11 लाख रुपए का इनाम भी है। छत्तीसगढ़ में लगातार सुरक्षाबलों के एनकाउंटर के बाद नक्सलियों में अब भय दिख रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति का असर भी दिख रहा है।

बता दें इस साल 3 महीने के भीतर की बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में ही 107 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। इस बीच सुरक्षाबलों द्वारा 143 नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया गया। वहीं अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 82 नक्सली मारे गए हैं। दो दिन पहले ही बीजापुर व कांकेर जिले में 30 नक्सलियों का एनकाउंटर किया गया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं।

सरेंडर नक्सलियों में से पांच पर है 2-2 लाख का इनाम

रविवार को सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से पांच पर 2-2 लाख रुपए का इनाम है। इन नक्सलियों में AOB (आंध्र ओडिशा बॉर्डर), TSC (तेलंगाना स्टेट कमेटी) समेत प्लाटून नंबर 9 और 10, गंगालूर एरिया कमेटी के हिरमागुंडा आरपीसी, पामेड़ एरिया कमेटी के कोंडापल्ली आरपीसी के सदस्य शामिल हैं। बीजापुर में पुलिस और CRPF अफसरों के सामने पहुंचकर इन्होंने हथियार डाले हैं। सरेंडर करने वाले नक्सली पिछले कई सालों से माओवाद संगठन से जुड़कर काम कर थे। हत्या, लूट, आगजनी, IED प्लांट करना, जवानों को एंबुश में फंसाना, रेकी करना जैसे काम किया करते थे।

नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे STF के वाहन पर नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, वाहन चालक सहित दो जवान घायल

बीजापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग बीजापुर से भोपालपटनम के बीच नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर एसटीएफ वाहन को निशाना बनाने की कोशिश की। इस घटना में शॉक वेव्स से एक वाहन चालक सहित दो जवान मामूली रूप से घायल हुए हैं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर लाया जा है। वाहन चालक का नाम रितेश भास्कर (23) है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जवानों का दल नक्सल ऑपरेशन से भोपालपटनम से बीजापुर की तरफ वापस लौट रहा था। इसी बीच शाम करीब 6 बजे के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग के दमपाया व गोरला नाला के बीच नक्सलियों ने जवानों के वाहन को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोटक कर दिया। आईईडी ब्लास्ट में शॉक वेव्स से वाहन चालक समेत दो जवानों को मामूली चोटें आई है। घायल जवान व वाहन चालक का प्राथमिक उपचार मद्देड़ स्वास्थ्य केंद्र में करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया जा रहा है। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

ग्रामीण को फांसी देने वाले नक्सली हुए गिरफ्तार

सुकमा (ए.)। जिले में थाना कोंटा क्षेत्रान्तर्गत एक महिला नक्सली सहित 6 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सभी नक्सली थाना कोंटा क्षेत्र के ग्राम गंगराजपाड़ में ग्रामीण की हत्या में शामिल थे। विदित हो कि माओवादियों द्वारा मृतक गंगराजपाड़ निवासी ताती बुधरा घर से पकडक़र कुछ दूर जंगल में ले जाकर नक्सली एक राय होकर हाथ मुक्का,डण्डा, बण्डा एवं बंदूक के कुन्दे (बट) से मारपीट किये और गले में रस्सी का फन्दा लगाकर दोनों ओर से खींचकर मृतक ताती बुधरा की हत्या कर दिये।

आरोपियों की पतासाजी के लिए पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोन्टा भानुप्रताप चन्द्राकर के हमराह थाना कोन्टा एवं डीआरजी टीम ग्राम गंगराजपाड़ की ओर रवाना हुए थे। अभियान दौरान ग्राम गंगराजपाड़ में प्रकरण में संलिप्त आरोपी ताती लखमा (मिलिसिया सदस्य) गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा, कलमू पाण्डू (मिलिसिया सदस्य) गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा, वंजाम मंगा (मिलिसिया सदस्य) गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा, वेको मासा (मिलिसिया सदस्य) गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा, वेट्टी हड़मा (मिलिसिया सदस्य)गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा, कुमारी ताती सोमड़ी (मिलिसिया सदस्य) गंगराजपाड़ पोस्ट मेहता ग्राम पंचायत मेहता थाना कोंटा जिला सुकमा को घेराबन्दी कर पकड़ा गया, जिन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्रकरण के शेष फरार नक्सल आरोपियों की पतासाजी जारी है।

10 जुआरी गिरफ्तार, डेढ़ लाख कैश जब्त

रायपुर। डेढ़ लाख कैश के साथ न्यू राजेन्द्र नगर में 10 जुआरी गिरफ्तार हुए है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत गोमती विहार के गोल्डन स्टेट स्थित एक मकान में कुछ व्यक्ति ताशपत्ती से रुपयों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है। थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान स्थित मकान में जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान मकान में जुआ खेलते 10 जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगदी रकम 1,66,000 रुपये तथा 52 पत्ती ताश जप्त कर जुआरियों के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 57/25 धारा 4, 5 छत्तीसगढ़ राज्य जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। कार्यवाही में निरीक्षक प्रमोद सिंह थाना प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर, एण्टी क्राईम साईबर यूनिट से प्रभारी निरीक्षक परेश पाण्डेय, सउनि. अतुलेश राय, प्र.आर. महेन्द्र राजपूत, चिंतामणी साहू, प्रमोद वर्ठी, पुष्पराज परिहार, आर. विक्रम वर्मा, राजेन्द्र तिवारी, दिलीप जांगडे, केशव सिन्हा, बोधेन्द्र मिश्रा, अमित वर्मा, लालेश नायक एवं टीजीआर शंकर यादव तथा थाना न्यू राजेन्द्र नगर से सउनि. राजेन्द्र प्रसाद गौतम की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

पिकअप से टकराई बाइक, तीन लोगों की मौत, शादी के लिए लड़की देखकर आ रहे थे बाइक सवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। शादी के लिए लड़की देख कर आ रहे तीनों की बाइक पिकअप से टकरा गई। हादसे में तीनों सवारों के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आईं जिससे उनकी मौत हो गई। मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पटना के रहने वाले खेलसाय नगेशिया (25) की शादी की तैयारी थी। खेलसाय, भंडारी नगेशिया (65) और फुलसाय नगेशिया (27) बाइक से लड़की देखने सामरी गए थे। लड़की देखने के बाद सभी रविवार सुबह वापस शंकरगढ़ लौट रहे थे। इस दौरान कुसमी-शंकरगढ़ मुख्य मार्ग पर चिरई घाट में तेज रफ्तार में बाइक और पिकअप में भिड़ंत हो गई।

बताया जा रहा है कि घटना के दौरान बाइक और पिकअप दोनों की रफ्तार तेज थी। बाइक सवारों को सामने से आता देखकर पिकअप को नियंत्रित नहीं कर सका और बाइक सीधे पिकअप से जा टकराई। टक्कर के बाद तीनों उछलकर सड़क में गिर गए। तीनों सड़क पर इधर उधर फैले हुए थे। इससे पहले की कोई उन्हें अस्पताल पहुंचाए तीनों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही शंकरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शंकरगढ़ पुलिस ने पिकअप ड्राइवर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत,तीन घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 2 लोगों की मौत हो गई है। वहीं घटना में 3 लोग गंभीर हालत में हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना उस वक्त हुई है, जब एक परिवार कोसगाई मंदिर दर्शन और पिकनिक मनाने गया था। बांगो थाना क्षेत्र के कोसगई की घटना है। 112 की टीम ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया है।

रविवार को एक परिवार कोसगई माता मंदिर में दर्शन और बकरा चढ़ाने गया हुआ था। इस दौरान करीब 40-50 आमंत्रित व्यक्ति पहुंचे हुए थे। मौसम साफ था, लेकिन दोपहर के समय अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए परिवार के लोग एक बड़े पेड़ के नीचे शरण लेने लगे, लेकिन दुर्भाग्यवश उसी पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में परिवार के पांच सदस्य झुलस गए, जिनमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। एक मृतक की पहचान नंदलाल यादव (35) के रूप में हुई है। दूसरे मृतक की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सप्लीमेंट्री आने से नाराज 9वीं की छात्रा ने लगाई फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर जिले में एक छात्रा ने फांसी के फंदे से झूलकर अपनी जान दे दी । मृतका 9वीं क्लास की छात्रा थी और फाइनल एग्जाम में हिंदी विषय में फेल हो गई थी, इससे छात्रा इतनी नाराज हुई कि पहले उसने खुद को कमरे में बंद किया और फिर फांसी के फंदे से झूलकर मौत को गले लगा लिया।

जिले के कार्मेल स्कूल में पढ़ने वाली 9वीं क्लास की छात्रा हिंदी विषय में फेल हो गई थी। उसके पास हिंदी विषय में पूरक परीक्षा यानी सप्लीमेट्री एग्जाम देकर पास होने का ऑप्सन था, लेकिन फेल से क्षुब्ध मृतका ने मौत को गले लगा लिया। मृतका अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटकी मिली।

रिपोर्ट के मुताबिक एक विषय में फेल होने के कारण मृतका ने आत्महत्या की है। छात्रा के इस कदम के कारण उसके घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतका के शिक्षक डेविड एक्का का कहना है कि मृतका पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी होनहार थी। अभी कुछ महिने पहले ही वह नेपाल से मेडल जीत कर लौटी थी। जानकारी के अनुसार 14 वर्षीय मृतका की पहचान मानसी के रूप में हुई है, जो कार्मेल स्कूल में कक्षा नौवीं की छात्रा थी। रोजगार कार्यालय में लिपिक अजिरमा नेपाली पारा निवासी मन कुमार राम की बेटी मानसी 9वीं की फाइनल परीक्षा में हिंदी में फेल हो गई थी, जिसका दुख वह सहन नहीं कर सकी और मौत को गले लगा लिया।

पिता के अनुसार स्कूल प्रबंधन ने एक और मौका देने की बात कही थी, लेकिन फेल होने से मानसी बहुत परेशान थी और शनिवार को मानसी ने अपने कमरे में खुद को बंदर फांसी के फंदे पर झूल गई। पिता के मुताबिक जब मानसी ने खुदकुशी की, वो दूसरे कमरे में मौजूद थे, लेकिन अनहोनी से बचाने में नाकामयाब रहे।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, शादी का झांसा देकर शख्स ने किया दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। चांपा थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती की इंस्टाग्राम पर एक शख्स से दोस्ती हुई। युवती का आरोप है कि दोस्ती होने के बाद शख्स ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। अब युवती ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है। युवती की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी देवेश कुमार खरे को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, देवेश कुमार खरे की इंस्टग्राम के जरिए युवती से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को नंबर दिए। दोनों की बातचीत होने लगी और नजदीकियां बढ़ने लगीं। दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए। युवती का कहना है कि शादी का झांसा देकर देवेश कुमार खरे ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि पीड़िता ने शादी की बात की तो आरोपी ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। वह गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। यहां तक कि जान से मारने की धमकी भी दी।

युवती की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 87, 64(2)(ड), 296, 351(3), 115(2) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

संदिग्ध हालत में महिला की लाश मिलने से सनसनी

कोरबा। कटघोरा थाना अंतर्गत दुर्गा मंदिर के सामने किराए के मकान में एक महिला की संदिग्ध हालत में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि घर के पीछे बाड़ी में उसकी लाश पाई गई है। जहां ग्रामीणों की नजर पड़ने पर इसकी सूचना तत्काल कटघोरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया है।

जहां आगे की जांच कार्यवाही जारी है। बताया जा रहा है मृतिका का नाम लता बाई है. जो एतमानगर डूमरमुडा निवासी है। मृतिका लता कटघोरा थाना अंतर्गत दुर्गा मंदिर के सामने किराए के मकान पर अकेले रहती थी। जहां मजदूरी का काम कर जीवन यापन कर रही थी। मृतका किराए के मकान से कुछ ही दूरी पर निर्माणाधीन मकान में मजदूरी का काम कर रही थी।

सोमवार की सुबह जब लोग उसके घर के पास से गुजर रहे थे। तब लोगों की नजर उसे पर पड़ी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि घर के दरवाजे खुले हुए मिले। वहीं घर की चौखट और घटनास्थल के पास ईंट में खून के निशान पाये गए है। इन सबसे मामला और भी संबंधित लग रहा है। फिलहाल, कटघोरा पुलिस आगे के जांच कार्यवाही जुट गई है। पहचान कराने के बाद उसके परिजनों को इसकी सूचना दी जा रही है। जहां बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उसकी मौत कब कैसे और किन परिस्थिति में हुई होगी। यह भी जांच का विषय है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

माननीय राष्ट्रपति, भारत

छत्तीसगढ़ विधानसभा के

"रजत जयंती वर्ष"

के अवसर पर

छत्तीसगढ़ आगमन पर

हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

श्री विष्णु देव साय

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-43316/90

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950